राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 | वर्षः 11 | अंकः 199 | पृष्ट : 08, | नई दिल्ली , सोमवार , 31 जनवरी 2022 | मूल्यः 1.50/-

मन की बातः हमारे यहां शिक्षा किताब तक सीमित नहीं, बहुआयामी हैः मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत शिक्षा और ज्ञान की तपोभूमि है। हमने शिक्षा को किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखा। इसे जीवन के समग्र अनुभव के तौर पर देखा है।

यहां अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े लोग हैं। वह दूसरों की मदद कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह कर रहे हैं। कॉलर वाली बाघिन और घोड़े विराट का जिक्र करते हुये प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां प्रकृति के साथ हर जीव के लिए प्रेम और करुणा है। यही हमारी संस्कृति भी है और स्वभाव भी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम शृंखला की 85वीं कड़ी में कहा कि मध्य प्रदेश के पेंच टाइगर रिजर्व में पिछले दिनों एक बाघिन के अंतिम संस्कार के भावुक पल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि लोग इसे कॉलरवाली बाघिन बुलाते थे। वन विभाग ने इसे टी-15 नाम दिया था। इस बाघिन की मृत्यु ने लोगों को इतना भावुक कर दिया जैसे उनका कोई अपना दुनिया छोड़ गया हो। लोगों ने उसका अंतिम संस्कार किया। उसे पूरे सम्मान और स्नेह के साथ विदाई दी। इस पल की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। यही तो भारत के लोगों की खूबी है। हम हर चेतन जीव से प्रेम का संबंध बना लेते हैं। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में प्रकृति और जीवों के लिए हम भारतीयों के इस प्यार की खूब सराहना हुई। कॉलरवाली बाघिन ने जीवनकाल में 29 शावकों

को जन्म दिया और 25 को पाल-पोसकर बड़ा भी बनाया।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति के अंगरक्षक दल में 19 साल सेवा देने के बाद 26 जनवरी को परेड के बाद सेवानिवृत्त हुये घोड़े विराट का जिक्र करते हुये कहा कि इस परेड में राष्ट्रपति के अंगरक्षक के चार्जर घोड़े विराट ने अपनी आखिरी परेड में हिस्सा लिया। घोड़ा विराट, 2003 में राष्ट्रपति भवन आया था और हर बार गणतंत्र दिवस पर कमांडेंट चार्जर के तौर पर परेड को लीड करता था। जब किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष का राष्ट्रपति भवन में स्वागत होता था, तब भी वो अपनी ये भूमिका निभाता था। इस वर्ष सेना दिवस पर विराट को सेना प्रमुख द्वारा सीओएएस प्रशस्ति पत्र भी दिया गया। विराट की विराट सेवाओं को देखते हुए उसकी सेवा-निवृत्ति के बाद उतने ही भव्य तरीके से उसे विदाई दी गई। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने स्वयं परेड के बाद घोड़े विराट को थपकी दी थी।

प्रधानमंत्री ने इस दौरान असम में एक सींग वाले गैंडे के शिकार में कमी का भी जिक्र किया। एक सींग वाला गैंडा हमेशा से असमिया संस्कृति का हिस्सा रहा है। वर्ष 2013 में 37 और 2014 में 32 गैंडों को तस्करों ने मार डाला था। इस चुनौती से निपटने के लिए पिछले सात वर्षों में असम सरकार के विशेष प्रयासों से गैंडों के शिकार के खिलाफ एक बहुत बड़ा अभियान चलाया गया। पिछले 22 सितम्बर को विश्व राइनो दिवस के मौके पर तस्करों से जब्त किये गए 2400 से ज्यादा सींगों को जला दिया गया था। ऐसे ही प्रयासों का नतीजा है कि अब असम में गैंडों के शिकार में लगातार कमी आ रही है। जहां 2013 में 37 गैंडे मारे गए थे, वहीं 2020 में 2 और 2021 में सिर्फ 1 गैंडे के शिकार का मामला सामने आया है।

लद्दाख में दस हज़ार फीट की ऊंचाई पर बनेगा फुटबाल स्टेडियम : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उनकी सरकार जल्दी ही लद्दाख को दस हज़ार फीट की ऊंचाई पर अत्याधुनिक फुटबॉल स्टेडियम, एक सिंथेटिक ट्रैक तथा 1000 क्षमता के एक हॉस्टल की सौगात देगी।

श्री मोदी ने रविवार को यहां रेडियो पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में यह घोषणा करते हुए कहा कि लद्दाख के लोगों के लिए उनकी सरकार सारी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वहां के लोगों का कठिन जीवन आसान हो सके।

उन्होंने कहा,÷आज मैं लद्दाख की एक ऐसी जानकारी साझा करना चाहता हूँ जिसके बारे में जानकर आपको जरुर गर्व होगा। लद्दाख को जल्द ही एक शानदार ओपन सिंथेटिक ट्रैक और एस्ट्रो ट्रफ फुटबाल स्टेडियम की सौगात मिलने वाली है। यह स्टेडियम दस हज़ार फुट से अधिक की ऊँचाई पर बन रहा है और इसका निर्माण जल्द पूरा होने वाला है। लदाख का यह सबसे बड़ा ओपन स्टेडियम होगा जहाँ 30 हज़ार फुटबाल दर्शक एक साथ बैठ सकेंगे।

सीएम चन्नी 2 सीटों से लड़ेंगे चुनाव

चंडीगढ़ / एजेंसी ।

पंजाब विधानसभा के लिए कांग्रेस ने रविवार को आठ प्रत्याशियों की तीसरी सूची जारी कर दी है। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी दो सीटों से चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस ने उन्हें भदौड़ और श्री चमकौर साहिब विधानसभा सीट से अपना प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस ने नवांशहर से मौजूदा विधायक अंगद सिंह सैनी का टिकट काट दिया है। पार्टी ने उनकी जगह सतबीर सिंह सैनी को टिकट दिया है। अंगद सिंह सैनी उत्तर प्रदेश के रायबरेली सदर सीट से विधायक अदिति सिंह के पति हैं। चुनाव से ठीक पहले अदिति सिंह कांग्रेस का दामन छोड़ भाजपा में शामिल हो गई हैं। भाजपा ने उन्हें रायबरेली सदर से अपना प्रत्याशी बनाया है।

अमरिंदर सिंह के खिलाफ विष्णु शर्मा को उतारा

अटारी आरक्षित सीट पर कांग्रेस ने तरसेम सिंह को उतारा है। खेमकरन से सुखपाल सिंह भुल्लर, नवांशहर से सतबीर सिंह सैनी, लुधियाना दक्षिण से ईश्वजोत सिंह चीमा कांग्रेस के उम्मीदवार होंगे।

जलालाबाद सीट पर शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ कांग्रेस ने मोहन सिंह फलियांवाला को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। भदौड़ आरक्षित सीट से मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी चुनाव मैदान में उतरे हैं। बरनाला से कांग्रेस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन बंसल के बेटे मनीष बंसल को टिकट दिया है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के खिलाफ पटियाला विधानसभा सीट पर कांग्रेस ने विष्णु शर्मा को प्रत्याशी बनाया है।

कांग्रेस ने यूपी में 61 उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की, सूची में 24 महिला उम्मीदवार

नई दिल्ली । कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में सात चरणों में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को 24 महिलाओं सहित 61 उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की।

पार्टी अब तक यूपी में 127 महिलाओं को टिकट दे चुकी है। 125 उम्मीदवारों की पहली सूची में 50 महिलाएं हैं, 41 उम्मीदवारों की दूसरी सूची में 16 महिलाएं हैं, वहीं 89 उम्मीदवारों की तीसरी सूची में 37 महिलाएं हैं।

चौथी सूची में रायबरेली और अमेठी के उम्मीदवार शामिल हैं। हरचंदपुर से सुरेंद्र विक्रम सिंह को टिकट दिया गया है और सरेनी से सुधा द्विवेदी को टिकट दिया गया है। दोनों सीटें रायबरेली में हैं। अमेठी के गौरीगंज से मोहम्मद फतेह बहादुर को मैदान में उतारा जा रहा है।

अन्य उम्मीदवार जो मैदान में हैं- हाथरस से कुलदीप कुमार सिंह, कासगंज से कुलदीप पांडे, किशनी (एससी) से डॉ विनय नारायण सिंह, बीसलपुर से शिखा पांडे।

पहली सूची जारी करने के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा था कि पार्टी महिला उम्मीदवारों को 40 फीसदी टिकट देने के अपने वादे को पूरा कर रही है।

पहली सूची में उन्होंने कहा कि महिलाओं को विविध पृष्ठभूमि से चुना गया है। इनमें उन्नाव रेप सर्वाइवर की मां भी शामिल हैं, पूनम पांडे, एक आशा कार्यकर्ता, पत्रकार निदा , और लखनऊ के सामाजिक कार्यकर्ता सदफ जफर हैं, जो सीएए के विरोध में सबसे आगे थे।

मणिपुर विधानसभा चुनाव- भाजपा ने जारी की 60 उम्मीदवारों की सूची, सीएम बीरेन सिंह हेंगेंग से लड़ेंगे चुनाव

नई दिल्ली। भाजपा संसदीय बोर्ड ने पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की सभी 60 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है। केंद्रीय चुनाव समिति की मंजूरी मिलने के बाद रविवार को भाजपा ने राज्य विधानसभा चुनाव के लिए अपने सभी 60 उम्मीदवारों के नाम का एलान कर दिया। वर्तमान मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह हेंगेंग से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

भाजपा के चुनाव प्रभारी एवं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं मणिपुर प्रभारी संबित पात्रा ने भाजपा संसदीय बोर्ड के फैसले की जानकारी देते हुए पार्टी राष्ट्रीय मुख्यालय में मणिपुर विधानसभा चुनाव के लिए सभी 60 उम्मीदवारों की सूची को जारी करते

हुए यह दावा भी किया कि पार्टी राज्य में इस बार दो तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है।

मणिपुर के उम्मीदवारों की घोषणा करते हुए राज्य चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव ने दावा किया कि पार्टी ने खिलाड़ी, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी, अकादमिक जगत से जुड़े और प्रोफेशनल लोगों को चुनावी मैदान में उतारा है।

मीडिया से बात करते हुए मणिपुर प्रभारी संबित पात्रा ने 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पहने गए मणिपुरी अंगवस्त्र का जिक्र करते हुए यह दावा किया कि मणिपुर प्रधानमंत्री मोदी के दिल में बसता है। उन्होंने इस बात को भी प्रमुखता से बताया कि आज वो स्वयं , केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ल मणिपुर के वही अंग वस्त्र पहन कर आए हैं। मणिपुर में दो चरणों में विधानसभा चुनाव होना है। पहले चरण में राज्य की 38 विधानसभा सीटों पर 27 फरवरी को वोट डाले जाएंगे । दूसरे चरण के तहत अन्य 22 विधानसभा सीटों पर 3 मार्च को मतदान होगा। नतीजों की गणना 10 मार्च को की जाएगी।

करहल में अखिलेश को चुनौती देंगी अपर्णा

करहल। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी घमासान तेज होता दिखाई दे रहा है। इन सब के बीच मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू और हाल में ही भाजपा का दामन थामने वाली अपर्णा यादव ने अखिलेश यादव को चुनौती देने की तैयारी कर ली है। पहली बार मैनपुरी की करहल सीट से चुनाव लड़ने जा रहे अखिलेश यादव को अपर्णा यादव चुनौती दे सकती हैं। माना जा रहा है कि भाजपा अखिलेश यादव को करहल सीट पर कड़ी चुनौती देने का मन बना चुकी है और हाल में ही शामिल हुए मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव को मैदान में उतार सकती है। आपको बता दें कि फिलहाल करहल सीट से भाजपा ने किसी प्रत्याशी के नाम का ऐलान नहीं किया है।

कांग्रेस की ओर से करहल से ज्ञानवती यादव को उम्मीदवार बनाया गया है जबकि बीएसपी ने कुलदीप नारायण को टिकट दिया है। सियासी गलियारों में चल रही चर्चा के मुताबिक करहल से मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव को अखिलेश के खिलाफ भाजपा टिकट दे सकती है।

अपर्णा यादव भी कलहर सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर चुकी हैं। एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में उन्होंने इस बात के संकेत भी दे दिए हैं। हालांकि उन्होंने यह जरूर कहा कि पार्टी जहां से टिकट देगी वहां से चुनाव लड़ लूंगी। लेकिन फिलहाल में लखनऊ कैंट सीट पर जनता की सेवा में लगी हूं।

दो वर्ष बाद भी टीका

प्रोटोकॉल का पालन ही कोविड-19 के खिलाफ प्रभावी उपाय

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के फैलने के दो वर्ष पूरा होने के बावजूद इस खतरनाक वायरस के खिलाफ कारगर उपाय टीकाकरण और कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करना ही है।

कई दवाएं एवं अन्य तरीकों का इस्तेमाल किया गया लेकिन अभी तक कोई ठोस उपचार सामने नहीं आया है।

देश में कोविड-19 का पहला मामला 30 जनवरी 2020 को सामने आया था जब वुहान विश्वविद्यालय में मेडिकल की तीसरी वर्ष की छात्रा कोविड-19 से संक्रमित पाई गई थी। सेमेस्टर छुट्टियों के बाद वह घर लौटी थी।

इसके बाद भारत में कोविड-19 की तीन लहर आई, लेकिन इस दौरान उपचार का तरीका एक जैसा रहा।

स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को कहा कि कोविड-19 का चाहे जो भी स्वरूप हो, लेकिन कोविड-19 प्रबंधन के लिए 'जांच-निगरानी-उपचार-टीकाकरण और कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन' ही पुख्ता रणनीति है।

कोविड-19 से निपटने के लिए हाल में कई तरह के उपचार का प्रयोग हुआ लेकिन अभी तक उपचार का कोई व्यापक स्वीकार्य तरीका नहीं है।

नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी. के. पॉल ने हाल में एक संवाददाता सम्मेलन में दवाओं के ''अत्यधिक इस्तेमाल एवं दुरूपयोग'' पर चिंता जताई थी।

देश में कोविड-19 के उपचार के लिए प्लाज्मा थेरेपी, रेमडेसिविर, डीआरडीओ के कोविड रोधी दवा 2-डीऑक्सी-डी-ग्लूकोज (2-डीजी) और हाल में मोलनुपिराविर का इस्तेमाल किया गया लेकिन कोविड-

19 रोगियों के इलाज के लिए कोई पुख्ता दवा नहीं मिली।

कोविड-19 और इसके हालिया स्वरूप ओमीक्रोन से निपटने के लिए टीकाकरण ही सबसे कारगर साबित हो रहा है।

उजाला सिग्नस ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के संस्थापक निदेशक डॉ. सुचिन बजाज ने कहा कि न केवल कोविड-19 बल्कि ठंड से जुड़ी बीमारियों का मुकाबला करने में आयुष की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

बजाज ने कहा, ''फेफड़ा की क्षमता बढ़ाने और मजबूती बढ़ाने के लिए योग में कई तरह के आसन हैं। साथ ही मस्तिष्क को शांति देने के लिए ध्यान का बड़ा महत्व है क्योंकि हमने देखा है कि भय, चिंता और निराशा कोविड-19 के साथ ही साथ आते हैं।''

जिंदल नेचरक्योर इंस्टीट्यूट के मुख्य योग अधिकारी डॉ. राजीव राजेश ने कहा कि मानव शरीर में संरक्षण, स्व-विनियमन, मरम्मत और अस्तित्व बनाए रखने की स्वाभाविक क्षमता होती है लेकिन नियमित चुनौतियों से निपटने में ''कुछ अतिरिक्त'' की जरूरत होती है। इसके लिए योग से मदद मिलती है।

राफेल नडाल बने चैंपियन

मेदवेदेव को हराकर 21वां ग्रैंड स्लैम जीता

मेलबर्न। राफेल नडाल ने इतिहास रच दिया है। 35 साल के स्पेनिश टेनिस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में 25 साल के रूसी स्टार डेनिल मेदवेदेव को पांच सेट तक चले संघर्ष में 2-6, 6-7, 6-4, 6-4, 7-5 से हरा दिया। यह नडाल के करियर का दूसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन और ओवरऑल 21वां ग्रैंड स्लैम खिताब है। फाइनल मुकाबला 5 घंटे और 24 मिनट तक चला।

पेगासस मामले में सुप्रीम कोर्ट में नई याचिका

नई दिल्ली/ एजेंसी । भारत सरकार के इसराइल से पेगासस जासूसी सॉफ्टवेयर की कथित खरीद मामले में एक विदेशी अखबार के हालिया खुलासे के मद्देनजर रविवार को उच्चतम न्यायालय में एक नई जनहित याचिका दायर की गई।

कई राजनीतिज्ञों, पत्रकारों, अधिकारियों की बातचीत की जासूसी करने के आरोपों से संबंधित इस मामले में पहला जनहित याचिका करने वाले वकील एम. एल. शर्मा ने बताया कि उन्होंने आज शीर्ष अदालत में एक नई जनहित याचिका दायर की। उन्होंने आरोपियों पर शीघ्र प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश देने की मांग संबंधी इस याचिका पर शीघ्र सुनवाई की गुहार मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना से लगाई है।

याचिकाकर्ता श्री शर्मा कहना है कि पेगासस के मामले में एक विदेशी अखबार 'न्यूयार्क टाईम्स' के हालिया खुलासे के बाद यह साफ हो गया है कि भारत सरकार ने जनता की गाढ़ी कमाई का दुरुपयोग अवैध रूप से जासूसी करने वाले पेगासस सॉफ्टवेयर खरीदने के लिए किया था। इसके आरोपियों के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच जानी चाहिए। शर्मा ने अपनी याचिका का हवाला देते हुए कहा,अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई द्वारा अपनी जांच में पुष्टि तथा न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा उसे प्रकाशित किए जाने के बाद अब इस मामले में क्या खुलासा होना रह गया है?

कई शहरों के लिए शुरू होगी वंदेभारत जैसी फास्ट ट्रेन

नई दिल्ली/ एजेंसी । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पिटारे से इस बार रेलवे के लिए ज्यादा पैसों को बंदोबस्त किया जा सकता है। बजट में साथ ही कई शहरों के लिए सेमी हाई स्पीड ट्रेनें शुरू करने की घोषणा की जा सकती है।

सूत्रों के मुताबिक एक फरवरी को पेश होने वाले बजट में गोल्डन क्वाड्रिलेटरल रूट पर 180 से 200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली सेमी हाई स्पीड ट्रेनों को चलाने की घोषणा की जा सकती है।

ये ट्रेनें वंदे भारत की तरह हो सकती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को घोषणा की थी कि 75 हफ्ते में 75 वंदे भारत ट्रेनें चलाई जाएंगी।

रोल स्टॉक्स पर फोकस

बजट में रोल स्टॉक्स पर भी फोकस रह सकता है। मौजूदा ट्रेनों को पूरी तरह बदलने के लिए 6500 एल्युमीनियम कोच, 1240 लोकोमोटिव्स और करीब 35,000 वैगन बनाने का प्रस्ताव है। एल्युमीनियम के कोच हल्के होते हैं और इनमें ऊर्जा की कम खपत होती है। रेलवे की योजना छोटे कारोबारियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए फ्रेट ऑपरेशन में ईएमयू शुरू करने की भी है।

फिजी ने सुनामी प्रभावित टोंगा को राहत सामग्री भेजी

सुवा। फिजी ने टोंगा को राहत सामग्री की एक खेप भेजी है, जहां हाल ही में बड़े पैमाने पर ज्वालामुखी विस्फोट हुआ और उसके बाद सुनामी आई, जिससे टोंगा बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय मीडिया के अनुसार, लोमाइविटी प्रिंसेस 1 के जहाज पर फिजी के 12 सरकारी अधिकारियों के साथ शनिवार को 11 कंटेनर 40 फीट के टोंगा की ओर गए।

वे टोंगन के लोगों के आगमन पर उनके साथ कोई संपर्क नहीं करेंगे।

फिजी के आपदा प्रबंधन मंत्री इनिया सेरुइरातु ने कहा कि कई दिनों की चर्चा के बाद सरकार ने टोंगन के लोगों की मदद के लिए राहत सामग्री भेजने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि जहाज के चालक दल सहित यात्रा करने वाले सभी कर्मियों का टेस्ट किया गया है और उन्हें मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी व्यक्ति क्वारंटीन कारणों से टोंगा पहुंचने पर जहाज से नहीं उतरेगा।

हंगा टोंगा-हंगा हापई ज्वालामुखी, टोंगन राजधानी शहर नुकुआलोफा से लगभग 65 किमी उत्तर में अत्यधिक सक्रिय टोंगा-केमैर्डेक द्वीप ज्वालामुखीय चाप का हिस्सा है, जो न्यूजीलैंड के उत्तर-पूर्वोत्तर से फिजी तक फैला एक क्षेत्र है।

पिछले दशकों में ज्वालामुखी कई बार फट चुका है।

वहां 14-15 जनवरी को विस्फोट हुआ और सूनामी आई, जिसमें तीन लोगों की मौत हुई और कई लोग घायल हुए हैं।

हाउतियों ने यमन की सेना के ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

सना। यमन के हाउती मिलिशिया ने कहा कि उसने दक्षिणपूर्वी प्रांत शबवा में यमन के सेना के ठिकानों पर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जिसमें कम से कम 40 सैनिक मारे गए और घायल हो गए।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने शनिवार को हाउती सैन्य प्रवक्ता येह्या सरिया के हवाले से कहा कि मिसाइल ने उस्यालान जिले में सैनिकों की सभा को निशाना बनाया है।

हालांकि, एक सैन्य अधिकारी ने कहा कि 40 पीड़ितों के हाउती के दावे को खारिज करते हुए, केवल 5 सैनिक मारे गए।

अधिकारी ने मिसाइल हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि 11 सैनिक भी घायल हुए हैं।

उन्होंने कहा कि मिसाइल सरकार समर्थक जायंट्स ब्रिगेड के एक सैन्य स्थल के पास उतरी।

उन्होंने कहा, हाउतिस सरकार समर्थक बलों को निशाना बनाने के लिए मिसाइलों का उपयोग कर रहे हैं, जिन्होंने शबवा और मारिब में हाइतियों के प्रमुख क्षेत्रों को दोबारा प्राप्त किया।

शनिवार का हमला हाउती मिलिशिया द्वारा 27 जनवरी को मारिब प्रांत में एक और बैलिस्टिक मिसाइल के हमले की जिम्मेदारी लेने के बाद आया है, जिसमें सात लोग मारे गए थे।

सरकारी सेना के खिलाफ घातक लड़ाई के बाद इस महीने दोनों तेल समृद्ध प्रांतों में कई रणनीतिक जिलों को खोने के बाद हाउतियों ने शबवा और मारिब पर मिसाइल हमले तेज कर दिए हैं।

हाउतियों मिलिशिया ने सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के अंदर हवाई अड्डों और सुविधाओं पर सीमा पार बैलिस्टिक मिसाइल हमले भी शुरू किए, जिनमें से बाद में यमन की सेना का समर्थन करने वाले रियाद के नेतृत्व वाले अरब गठबंधन का एक प्रमुख सदस्य है।

कांगो में संरा विशेषज्ञों की हत्या के जुर्म में 50 से अधिक लोगों को मौत की सजा

किंशासा। कांगो में एक सैन्य अदालत ने संयुक्त राष्ट्र के जांचकर्ताओं माइकल शार्प और जैदा कैटलान की कसाई प्रांत में हत्या के करीब पांच साल बाद तकरीबन 50 लोगों को मौत की सजा सुनायी है। कसाई ऑक्सीडेंटल मिलिट्री कोर्ट के अध्यक्ष ब्रिगेडियर जनरल जीन पाउलिन नत्शायोकोलो ने शनिवार को कहा कि 54 आरोपियों में से एक अधिकारी को आदेश का उल्लंघन करने के जुर्म में 10 साल की जेल की सजा सुनायी गयी और दो अन्य को बरी कर दिया गया। जिन लोगों को मौत की सजा सुनायी गयी है, वे उम्रकैद की सजा काटेंगे क्योंकि कांगो ने 2003 के बाद मौत की सजा पर रोक लगा दी है। अमेरिका के शार्प और स्वीडन की कैटलान की 12 मार्च 2017 को कसाई मध्य प्रांत में उस समय हत्या कर दी गयी थी जब वे क्षेत्र में सक्रिय मिलिशिया कामविना न्सापु के प्रतिनिधियों के साथ दौरे पर गए थे। संयुक्त राष्ट्र के ये दोनों विशेषज्ञ सुरक्षा परिषद की ओर से कसाई में हिंसा की जांच कर रहे थे। उनके शव दो सप्ताह बाद एक कब्र में मिले थे।

कनाडा की राजधानी में कोविड-19 पाबंदियों व टीकाकरण की अनिवार्यता के खिलाफ प्रदर्शन

ओटावा। कनाडा की राजधानी ओटावा में शनिवार को हजारों लोगों ने टीकाकरण को अनिवार्य बनाने और कोविड-19 पाबंदियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने कोविड प्रतिबंधों की तुलना फासीवाद से की और कनाडा के झंडे के साथ नाजी प्रतीक प्रदर्शित किए। कई प्रदर्शनकारियों ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को निशाना बनाते हुए उनकी तीखी आलोचना की। मॉन्ट्रियल से आए डेविड सेन्टोस ने कहा कि उसे लगता है कि टीकाकरण अनिवार्य करना स्वास्थ्य से संबंधित नहीं है बल्कि यह सरकार द्वारा चीजों को नियंत्रित करने का एक पैंतरा है। विरोध प्रदर्शन के आयोजकों ने सभी कोविड-19 पाबंदियों व टीकाकरण को अनिवार्य बनाने के फैसले को वापस लेने और प्रधानमंत्री ट्रूडो के इस्तीफे की मांग की।

जापान के तट रक्षक ने की उ. कोरिया के मिसाइल परीक्षण की पुष्टि

टोक्यो,। उत्तर कोरिया ने जापान सागर की ओर बैलिस्टिक मिसाइल दागा है। जापान के तट रक्षक ने बताया कि उत्तर कोरिया द्वारा जापान सागर की दिशा में दागी गयी बैलिस्टिक मिसाइल हालांकि पहले ही गिर चुकी है। इससे पहले दक्षिण कोरिया की योनहाप न्यूज एजेंसी ने दक्षिण कोरिया के ज्वाइट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के हवाले से बताया था कि उत्तर कोरिया ने जापान सागर की ओर एक अज्ञात मिसाइल का परीक्षण किया है। वहीं जापानी तट रक्षक ने चेतावनी जारी की थी कि उ. कोरिया मिसाइल का परीक्षण कर सकता है और बाद में इस बात की पुष्टि की कि उ. कोरिया दागी गयी बैलिस्टिक मिसाइल गिर चुकी है। जापान के न्यूज चैनल एनएचके ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि जापानी रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने रविवार सुबह घोषणा की कि उ. कोरिया ने ÷शायद एक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है।

म्यांमार में कोरोना के मामले 535,080 हुए

यांगून। म्यांमार में शनिवार को कोरोना संक्रमणों की संख्या बढ़कर 535,080 हो गई है। ये जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय ने साझा की है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, विज्ञप्ति में कहा गया कि बीते 24 घंटों में 1.96 प्रतिशत की पॉजिटिविटी रेट के साथ 172 नए पुष्ट मामले सामने आए हैं।

शनिवार को मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, कुल मरने वालों की संख्या बढ़कर 19,310 हो गई है जबकि लगातार 6 दिनों तक कोरोना से कोई मौत नहीं हुई थी।

अन्य 201 रोगियों को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई है, जिससे ठीक होने वालों की संख्या बढ़कर 513,101 हो गई है और शनिवार तक कोरोना के लिए 63.3 लाख से ज्यादा कोरोना टेस्ट किए गए है।

म्यांमार में मार्च 2020 में पहले दो कोरोना पॉजिटिव मामले सामने आए।

यूक्रेन में कोरोना के मामले 40 लाख से ज्यादा हुए

कीव। यूक्रेन में शनिवार तक कुल 4,017,961 कोरोना मामले और 100,031 मौतें दर्ज की गई हैं, जबकि 3,615,257 मरीज कोरोना से ठीक हो चुके हैं। ये जानकारी देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने मंत्रालय का हवाला देते हुए बताया, बीते 24 घंटे में, 37,351 लोग कोरोना पॉजिटिव हैं और 7,163 मरीज बीमारी से ठीक हुए हैं।

यूक्रेन कोरोना महामारी की चपेट में आ गया है। पिछले दो हफ्तों में देश में कोरोना के कारण होने वाली मौतों और अस्पताल में भर्ती होने की संख्या बढ़ रही है।

मंत्रालय के अनुसार टीकाकरण अभियान शुरू होने के बाद से अब तक 1.53 करोड़ लोगों को कोरोना के खिलाफ टीका लगाया जा चुका है।

यूक्रेन ने हाल ही में उन लोगों के लिए तीसरी कोरोना वैक्सीन बूस्टर शॉट की पेशकश शुरू की है जिन्होंने कम से कम 6 महीने पहले अपना दूसरा टीका प्राप्त किया था।

सिंगापुर में कोरोना के 5,207 नए मामले सामने आए

सिंगापुर। सिंगापुर में शनिवार को कोरोना के 5,207 नए सक्रिय मामले सामने आए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया, नए मामलों में से 1,732 मामलों का पता पीसीआर (पोलीमरेज चेन रिएक्शन) टेस्ट और 3,475 एआरटी (एंटीजन रैपिड टेस्ट) टेस्ट के माध्यम से लगाया गया।

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री ने खुद को किया आइसोलेट

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने खुद को कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति के संपर्क में आने के बाद आइसोलेट कर लिया है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ये एक्सपोजर इवेंट 22 जनवरी को केरीकेरी से ऑकलैंड की उड़ान एनजेड8273 के दौरान हुआ था।

इस उड़ान को स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट पर जोड़ा गया है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रविवार को इस मामले के लिए संपूर्ण जीनोम सीक्वेसिंग का अनुरोध किया गया है।

परिणाम से यह संकेत मिलने की उम्मीद है कि यह मामला कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन का है।

बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री में कोरोना के लक्षण नहीं है और वह अच्छा महसूस कर रही हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह के अनुसार, उनका रविवार को तुरंत टेस्ट किया जाएगा और मंगलवार तक उन्हें आइसोलेट कर दिया जाएगा।

न्यूजीलैंड की गवर्नर-जनरल सिंडी किरो और उनके स्टाफ के सदस्य भी बोर्ड में थे और वे सभी उसी निर्देशों का पालन कर रहे हैं।

अर्डर्न और किरो वेटांगी डे प्रसारण के लिए वेतांगी नेशनल ट्रस्ट के निमंत्रण पर, वेटांगी संधि मैदान में अग्रिम फिल्मांकन करने के लिए नॉर्थलैंड में थे।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि न्यूजीलैंड में शनिवार को कोरोना के 97 नए मामले सामने आए।

देश में महामारी की शुरूआत से अब तक कोरोना के 16,146 मामले दर्ज किए गए, जिसमें से 52 मौतें हुई हैं।

न्यूजीलैंड वर्तमान में कोरोना सुरक्षा ढांचे के तहत उच्च रेड सेटिंग्स पर है। रेड सेटिंग्स में, कई इनडोर वातावरण में फेस मास्क अनिवार्य हैं और सभा 100 लोगों तक सीमित है।

थाईलैंड:तेल रिसाव के बाद समुद्र तट बंद किया गया

बैंकॉक। थाईलैंड के पूर्वी तट पर एक समुद्र तट को बंद कर दिया गया है क्योंकि पानी के नीचे की पाइपलाइन से तेल रिस रहा है।

फर्म ने शनिवार को कहा, स्टार पेट्रोलियम रिफाइनिंग पब्लिक कंपनी की पाइपलाइन से रिसाव 25 जनवरी को शुरू हुआ था और एक दिन बाद इसे नियंत्रण में लाया गया था।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी का अनुमान है कि 50 टन तक तेल लीक हुआ है।

सरकार की भू-सूचना विज्ञान और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी की एक उपग्रह छवि ने शनिवार की सुबह समुद्र के लगभग 67 वर्ग किमी के कुल क्षेत्र को कवर किया।

तेल रेयॉन्ग प्रांत में माई रामफुएंग समुद्र तट पर पहुंच गया, जिससे स्थानीय सरकार को समुद्र तट को एक आपदा क्षेत्र घोषित करने और सफाई अभियान के लिए इसे जनता के लिए बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

प्रांतीय प्राधिकरण ने भी आसपास की दुकानों को स्थिति ठीक होने तक व्यापार बंद करने का आदेश दिया है।

आयरलैंड तट पर होने वाले नौसैना अभ्यास का स्थान बदलेगा रूस

मॉस्को। रूस ने कहा है कि वह पश्चिम देशों के साथ तनाव के बीच आयरलैंड द्वारा चिंताएं जताए जाने के बाद उसके तट पर होने वाले नौसैना अभ्यास के स्थान में परिवर्तन करेगा।

रूस का नाटो गठबंधन के विस्तार को लेकर पश्चिम देशों के साथ विवाद चल रहा है और पश्चिम देशों ने आशंका जतायी है कि रूस, यूक्रेन पर हमला करने की तैयारी कर रहा है।

यह अभ्यास अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिमी आयरलैंड तट पर तीन से आठ फरवरी के बीच होना था।

आयरलैंड के विदेश मंत्री सिमोन कोवेने ने इस सप्ताह अभ्यास पर आपत्ति जताते हुए कहा, ''यूक्रेन में जो भी हो रहा है, उसे देखते हुए यह समय सैन्य गतिविधियां और तनाव बढ़ाने का नहीं है। वे पश्चिमी सीमाओं यानी आयरलैंड तट पर अभ्यास कर रहे हैं जो हमारी नजर में स्वागत योग्य नहीं है।'' आयरलैंड में रूसी दूतावास ने शनिवार को राजदूत यूरी फिलातोव का एक पत्र फेसबुक पर पोस्ट करते हुए कहा कि ''मत्स्य गतिविधियों को बाधा नहीं पहुंचाने के उद्देश्य'' से अभ्यास का स्थान आयरलैंड के आर्थिक क्षेत्र से बाहर रखा जाएगा।

लेबनान के राष्ट्रपति ने संसदीय चुनाव में देरी के दावों को किया खारिज

बेरुत । लेबनान के राष्ट्रपति मिशेल औन ने पूर्व प्रधानमंत्री साद हरीरी के राजनीति से दूर जाने के फैसले के बाद संसदीय चुनावों में संभावित देरी के दावों का खंडन किया है।

लेबनान के वरिष्ठ सुन्नी धर्मगुरु ग्रैंड मुफ्ती अब्दुल लतीफ डेरियन से मुलाकात के बाद औन ने कहा कि हम समय पर चुनाव कराने के लिए सभी जरूरी तैयारियां कर रहे हैं और मुझे इसमें देरी का कोई कारण नहीं दिखता।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हरीरी ने 24 जनवरी को घोषणा करते हुए कहा था कि वह राजनीतिक परिदृश्य में अपनी भागीदारी को निलंबित कर देंगे और आगामी संसदीय चुनावों में भाग नहीं लेंगे।

पिछले कुछ दिनों में, 2022 के संसदीय चुनावों के लिए लेबनान में सुन्नी संप्रदाय द्वारा संभावित बहिष्कार के बारे में कई रिपोर्टें प्रसारित की गईं, जिससे मतदान में देरी होने का दावा किया गया।

मैरोनाइट ईसाई राष्ट्रपति औन ने लेबनान की एकता और

राजनीतिक विविधता को बनाए रखने में सुन्नी समुदाय द्वारा निभाई गई भूमिका पर जोर दिया और राष्ट्रीय और राजनीतिक जीवन में लेबनान के सभी घटकों की भागीदारी का आह्वान किया।

लेबनान में बदलाव और सुधार देखने की उम्मीद में अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने कई मौकों पर समय पर संसदीय चुनावों का आह्वान किया है।

उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर की ओर दागी बैलिस्टिक मिसाइल

सियोल।

उत्तर कोरिया ने रविवार को पूर्वी सागर की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि ये इस महीने का सातवां परीक्षण हैं।

समाचार एजेंसी योनहाप ने बताया कि ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि उसने चीन की सीमा से लगे उत्तरी प्रांत जगंग से सुबह 7:52 बजे परीक्षण किया।

जगंग प्रांत वह जगह है जहां उत्तर कोरिया ने पिछले साल सितंबर में और 5 और 11 जनवरी को अपनी हाइपरसोनिक मिसाइलों का परीक्षण किया था।

जेसीएस ने संवाददाताओं को भेजे एक संदेश में कहा, हमारी सेना उत्तर कोरियाई आंदोलनों पर नजर रख रही है, निगरानी कर रही है और पूरी तैयारी में है।

प्योंगयांग इस साल की शुरूआत से मिसाइल परीक्षण की एक सीरीज के साथ तनाव बढ़ा रहा है क्योंकि वाशिंगटन ने दोनों देशों के बीच परमाणु वार्ता में लंबे समय तक गतिरोध के बीच प्रतिबंधों का दबाव बढ़ाया है।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन के 2011 के अंत में सत्ता संभालने के बाद से उत्तर ने जनवरी में परीक्षण किया। उन्होंने मार्च और जुलाई 2014 दोनों में 6 परीक्षण किए।

उत्तर कोरिया ने लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल परीक्षण के दो दिन बाद गुरुवार को सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल होने का दावा किया।

इसने इस महीने की शुरूआत में चार परीक्षण किए, जिनमें हाइपरसोनिक मिसाइल भी शामिल है।

दक्षिण कोरियाई सेना उत्तर कोरियाई सैन्य आंदोलनों पर कड़ी नजर रख रही है क्योंकि उत्तर ने परमाणु और लंबी दूरी की मिसाइल परीक्षणों पर अपनी वर्षों की रोक को हटाने के लिए धमकी दी है।

कोरियाई विदेश मंत्रालय कीव के दूतावास में अधिकारियों को भेजेगा

सियोल। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह यूक्रेन और रूस के बीच बढ़ते तनाव के बीच कोरियाई नागरिकों के लिए आकस्मिक योजना तैयार करने के लिए कीव स्थित अपने दूतावास में तीन अधिकारियों को भेजेगा।

योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मास्को और कीव के बीच तनाव के बीच विदेश मंत्री चुंग यूई-योंग ने पिछले दिन रूस, यूक्रेन और अन्य देशों में दक्षिण कोरिया के राजनयिक मिशनों के प्रमुखों के साथ एक वर्चुअल बैठक की।

यूक्रेन में सियोल के दूतावास ने कोरियाई निवासियों और कंपनियों के साथ बैठकें करते हुए अपनी वेबसाइट पर परिवहन के साधनों और भूमि मार्गों के बारे में जानकारी अपडेट करने की भी योजना बनाई है।

मंत्रालय ने यूक्रेन में दक्षिण कोरियाई लोगों को निकट भविष्य में सुरक्षित क्षेत्रों में जाने की सलाह दी, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें अभी भी छह शहरों में सात हवाई अड्डों पर सामान्य रूप से चल रही हैं।

लगभग 440 कोरियाई यूक्रेन में रह रहे हैं, जिनमें से अधिकांश राजधानी कीव और अन्य शहरों में हैं।

पिछले हफ्ते, मंत्रालय ने यूक्रेन के 15 दक्षिणी, पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों में कोरियाई नागरिकों को रूसी सैन्य कार्रवाई के बढ़ते खतरे के बीच देश छोड़ने की सलाह दी।

धर्म निजी मामला है, इसमें किसी को दखल देने का अधिकार नहीं :अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने धर्मांतरण के मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखते हुए कहा कि प्रलोभन या धमकी देकर किया गया धर्म परिवर्तन गलत है और देश में मौजूदा कानून के तहत इस तरह की प्रथाओं को रोकने के लिए पर्याप्त प्रावधान हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि किसी का धर्म चुनना निजी मामला है और किसी भी सरकार को इसमें दखल देने का अधिकार नहीं है।

केजरीवाल रविवार को पंजाब में संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे। केजरीवाल ने कहा कि मेरा मानना है कि यह व्यक्तिगत पसंद का मामला है कि कोई किस धर्म का पालन करना चाहता है और यह पूरी तरह से व्यक्तिगत मामला है जिसमें किसी को भी हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। किसी भी सरकार को इसमें हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है और यह किसी का संवैधानिक अधिकार है।

धर्मांतरण विरोधी कानून लाने पर अपनी पार्टी के रुख के बारे में पूछे जाने पर %आप% प्रमुख ने कहा कि अगर किसी का धर्म परिवर्तन प्रलोभन या धमकी से किया गया है, तो यह गलत है। भाजपा इस मुद्दे को लेकर %आप% पर निशाना साधती रही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व वाली योगी आदित्यनाथ सरकार ने पूर्व में एक विधेयक पारित किया था, जिसका उद्देश्य विवाह समेत धोखाधड़ी या किसी अन्य अनुचित तरीके से किए जाने वाले धर्मांतरण को रोकना था।

केजरीवाल ने कहा कि किसी को भी धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करना गलत है और इसे रोकने के लिए जो भी कदम उठाने की जरूरत है, वह किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह मेरी राय है और मुझे कुछ वकीलों द्वारा बताया गया है, लेकिन इसकी और जांच की जानी चाहिए कि क्या देश के मौजूदा कानून के तहत पर्याप्त धाराएं और प्रावधान हैं कि अगर कोई किसी को धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करता है तो उसे ऐसा करने से रोका जा सकता है।

उन्होंने भाजपा पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि आज भी देश में (जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए) पर्याप्त प्रावधान हैं। जो लोग नए कानून की बात करते हैं, वे क्या कर रहे हैं, यह एक राजनीतिक मुद्दा है।

बता दें कि, अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने ईसाई मिशनरी पर सीमावर्ती गांवों में सिख परिवारों के जबरन धर्मांतरण के लिए कार्यक्रम चलाने का आरोप लगाया था। हालांकि, अमृतसर डॉयसीज के बिशप ने ऐसे आरोपों से इनकार किया है।

वर्ष 1993 के दिल्ली बम विस्फोट के गुनहगार देविंदर पाल सिंह भुल्लर से संबंधित एक सवाल पर केजरीवाल ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) पर इस मुद्दे को लेकर ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया। शिरोमणि अकाली दल ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली सरकार पर भुल्लर की रिहाई में बाधा डालने का आरोप लगाया है।

केजरीवाल ने कहा कि अगर उनकी पार्टी पंजाब में 20 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आती है तो राज्य के सभी सरकारी कार्यालयों में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें लगाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि इन कार्यालयों में किसी भी राजनेता की कोई तस्वीर नहीं होगी।

केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने कुछ दिन पहले घोषणा की थी कि दिल्ली सरकार के हर कार्यालय में अंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें होंगी। आज हम घोषणा करते हैं कि पंजाब में (आप) सरकार बनने के बाद किसी भी सरकारी कार्यालय में मुख्यमंत्री या किसी अन्य राजनीतिक नेता की कोई तस्वीर नहीं होगी। केवल बाबा साहेब अंबेडकर और शहीद-ए-आजम भगत सिंह की तस्वीरें सभी सरकारी कार्यालयों में लगाई जाएंगी, ताकि इन तस्वीरों को देखकर हम और आने वाली पीढ़ी इनसे प्रेरणा ले सकें।

बापू की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री ने दिल्ली के राजघाट पर शहीद दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।

कला एवं संस्कृति को जीवंत बनाने का काम उत्तराखंडवासियों ने किया है :आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने कहां की उत्तराखंड देवभूमि का आशीर्वाद हमेशा से भाजपा पर रहा है। उतराखण्ड की कला संस्कृति एवं उसकी प्रतिभा का गुणगान पूरे देश मे हो रहा है। आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता की उपस्थिति में दिल्ली प्रदेश भाजपा उत्तराखंड प्रकोष्ठ की बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के नेतृत्व में आज उत्तराखंड विकास की नई परिभाषा लिख रहा है। राज्य की प्रतिभाओं का पूरी तरह से सम्मान करने का काम अगर किसी सरकार में हुआ है तो वह केन्द्र की मोदी सरकार है।

अरुण सिंह ने कहा कि देश की सेवा में सबसे ज्यादा योगदान अगर किसी राज्य के सैनिकों का होता है तो वह देव भूमि उत्तराखंड है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारे सैनिकों के लिए जितनी योजनाएं शुरू की है और जो सुविधाएं उपलब्ध कराई है वह पिछली सरकारों ने नहीं कराई थी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की प्रतिभा को पिछले 70 सालों में जो पहचान मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पाई लेकिन आज नरेन्द्र मोदी की सरकार के अंदर उत्तराखंड की प्रतिभा चाहे वह सरकार में हो या फिर चाहे वह देश के किसी भी पद पर हो, अपने आप मैं देवभूमि की गाथा बयान कर रहा है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि साहित्य, कला, राजनीति एवं संस्कृति के क्षेत्र में उत्तराखंड का परचम पूरे देश में लहरा रहा है। आज दिल्ली भी उससे अछूती नहीं है भारतीय जनता पार्टी ने उत्तराखंड के भाई बहनों को प्रयास मौका दिया है। कला एवं संस्कृति को जीवंत बनाने का कार्य भारी संख्या में उत्तराखंड के लोग कर रहे हैं।

उधार नहीं लौटाने पर युवक की चाकू घोपकर हत्या

नई दिल्ली। संगम विहार में शनिवार रात को रुपये के लेन-देन में पूर्व मकान मालिक ने युवक की चाकू घोपकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 39 वर्षीय नीरज तिवारी के तौर पर हुई है।

जानकारी के अनुसार, नीरज तिवारी निजी कंपनी में काम करता था। वह पहले गुर्जर चौक एच ब्लॉक के पास आफताब के मकान में किराए पर रहता था। लेकिन एक महीने पहले ही वह आफताब का मकान छोड़कर जी ब्लॉक में रहने के लिए आ गया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आफताब ने शनिवार रात नीरज को घर बुलाया और किराया बकाया होने की बात कही। नीरज ने फिलहाल रुपये देने से मना कर दिया। इसी बात पर दोनों में विवाद हो गया। गुस्साए आफताब ने नीरज के सीने में चाकू से ताबड़तोड़ वारकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल को मजीठिया अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उसे सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। शनिवार सुबह करीब आठ बजे इलाज के दौरान नीरज की मौत हो गई। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया है। साथ ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

हौजखास में एटीएम तोड़ने का प्रयास करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली । हौजखास इलाके के पंचशील कांप्लेक्स में एटीएम तोड़कर लूट का प्रयास करने वाले आरोपित को दक्षिणी दिल्ली जिले की स्पेशल स्टाफ ने गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान मूलरूप से बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के मथुराबागान निवासी स्वपन राय (32) के रूप में हुई है। दिल्ली में वह शाहपुर जाट गांव में अपने परिवार के साथ किराए पर रहता था।

इस बार जाट समुदाय भाजपा के झांसे में नहीं आएगा:डा.नरेश कुमार

नई दिल्ली। अखिल भारतीय जाट प्रगतिशील मोर्चा के अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डा. नरेश कुमार ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जाटों के साथ 600 वर्षों के संबंधों वाले बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो किसान देश में काले कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रह थे उन्हें इसी सरकार के मंत्रियों ने आतंकवादी करार दिया था।

डा. कुमार ने रविवार को फेसबुक पर अपने एक संदेश में भारतीय जनता पार्टी सांसद प्रवेश वर्मा की जोरदार निंदा करते हुए कहा कि उन्होंने श्री शाह की सैंकड़ों जाट नेताओं के साथ अपने आवास पर बैठक कराकर घटिया राजनीति का परिचय दिया है।

उन्होंने कहा कि काले कृषि कानूनों का विरोध करने के लिए अनेक जाट किसानों ने भी धरना दिया था और उस दौरान 700 से

अधिक किसानों की मौत हुई थी । इसी भाजपा सरकार के कई मंत्रियों ने उन किसानों को आतंकवादी और खालिस्तानी करार दे दिया था और जब चुनाव आ गए हैं तो भारतीय जनता पार्टी इन जाट नेताओं से अपने समुदाय के वोट दिलाने की मांग करती है जो बेहद शर्मनार्क है कि पार्टी अपने हित के लिए कितना गिर सकती है।

कांग्रेस के वरिष्ठ प्रव्क्ता डा. कुमार ने कहा कि प्रवेश वर्मा ने जाट समुदाय के नाम पर हमेशा राजनीति की है और अपने हित साधे हैं। उन्होंने कहा कि अगर प्रवेश वर्मा को जाटों की इतनी फिक्र है जो वह उनके समर्थन में आंदोलन के दौरान क्यों नहीं आए थे बल्कि उस समय तो उन्होंने किसानों के खिलाफ अपने समर्थकों से प्रदर्शन भी कराए थे।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को विधानसभा चुनावों में अब जाट समुदाय के लिए इतनी हमदर्दी पैदा होना उसके दोगले रवैये का दर्शाता है। लेकिन इस बार जाट समुदाय भाजपा के झांसे में नहीं आएगा और किसान विरोधी मानसिकता वाली इस पार्टी को करारा जवाब दिया जाएगा।

वित्त वर्ष के अंतिम क्वार्टर का फंड जारी करे और बजट में कई गई कटौती बहाल करे: भाजपा प्रवक्ता ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है की यह दुर्भाग्यपूर्ण है की एक सत्ताधारी आम आदमी पार्टी रोज़ाना नगर निगमों पर काम ना करने एवं भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाती है तो वहीं दिल्ली सरकार नगर निगमों को आर्थिक रूप से पंगु बनाने के लियें उनके फंड में कटौती करती है और उन्हे फंड समय पर जारी भी नही करती।

भाजपा प्रवक्ता ने आज इस संदर्भ मे मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर उनका ध्यान दिल्ली सरकार द्वारा वर्तमान वित्त वर्ष 2021-22 के अंतिम क्वार्टर के लिये नगर निगमों को देय फंड जारी ना करने की ओर आकृष्ट कर इस गंदी राजनीति की निंदा की है। व्यवस्था अनुसार दिल्ली सरकार को अंतिम क्वार्टर का निगम फंड 2 जनवरी 2022 को जारी करना चाहिए था पर लगभग एक माह बाद भी जारी नही किया जाना निंदनीय है।

इसी तरह दिल्ली सरकार ने वर्ष 2021-22 के लिये अवंटित बजट मे भी कटौती की है, अकेले उत्तरी नगर निगम के रुपये 387 करोड़ काट दिये गये है जो पूरी तरह अमान्य है।

दिल्ली भाजपा प्रवक्ता ने मांग की है की दिल्ली सरकार अविलंब नगर निगमों का अंतिम क्वार्टर का फंड जारी करे और उसकी साथ वार्षिक बजट मे की कटौती का फंड भी बहाल कर दिया जाये।

आदरेय शरीफ भाई को जितने नमन करें, कम हैं...

नई दिल्ली। बात 1993 की है। उनके पुत्र मुहम्मद रईस दवा लेने के लिए सुलतानपुर गए थे,

जहाँ एक दुर्घटना में उनकी मौत हो गई। बेटे की खोज में शरीफ कई दिनों तक इधर-उधर भटकते रहे। रिश्तेदार, मित्रों और तमाम जगहों पर खोजने के बाद भी शरीफ को अपने बेटे का कोई सुराग नहीं मिला।

करीब एक माह बाद सुलतानपुर से खबर आई कि बेटे की मौत हो गई और अंतिम संस्कार लावारिसों की तरह हुआ।

रईस की पहचान उनकी शर्ट पर लगे टेलर के टैग से हुई थी।

टैग से पुलिस ने टेलर की खोज

की और कपड़े से शरीफ ने मृतक की पहचान अपने बेटे के रूप में की।

जवान बेटे की मौत ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया।

जब परिवार रईस की मौत के गम में डूबा था तो ऐसे में शरीफ के मन में नया संकल्प जन्म ले रहा था। संकल्प यह कि अब अयोध्या की धरती पर किसी भी शव का अंतिम संस्कार लावारिस की तरह नहीं होगा। न हिंदू, न मुस्लिम, न सिख और न ही ईसाई।

शरीफ ने शपथ ली कि वे हर लावारिस शव का अंतिम संस्कार करेंगे और मृतक के धर्म के रीति-रिवाज के अनुसार।

27 वर्षों में करीब 25 हजार लावारिस शवों का अंतिम संस्कार कर चुके पेशे से साइकिल मिस्त्री शरीफ चचा 80 वर्ष की उम्र में भी अपनी प्रतिज्ञा को उसी हौसले और जुनून से निभाते चले आ रहे हैं।

मोदी सरकार इनको पद्मश्री पुरस्कार दे रही है.....

बापू की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

भाजपा नेता नलिन त्रिपाठी जी ने आज 'सिद्धार्थ नगर' (जंगपुरा) में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी कि पुण्य तिथि पर श्रधांजलि कार्यक्रम तथा मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में किसान मोर्चा दिल्ली प्रदेश महामंत्री - श्री अनूप चौधरी,मयूर विहार ज़िले में मंत्री - श्रीमती भावना जैन, सिद्धार्थ नगर वार्ड के अध्यक्ष - श्री करतार सिंह तथा वार्ड के सभी सेवा बस्ती के प्रधान सम्मिलित हुए ।

भाई भुल्लर की रिहाई के लिए आवाज उठाने वाले बधाई के पात्र :जीके

नई दिल्ली। जागो पार्टी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा भाई दविंदर पाल सिंह भुल्लर की रिहाई के लिए सजा समीक्षा बोर्ड की बैठक बुलाने के आदेश का स्वागत किया है। जागो पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके ने आज यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 26 साल बाद भाई भुल्लर की हो रही रिहाई के लिए आवाज उठाने वाले सभी बधाई के पात्र हैं। दरअसल भुल्लर साहिब व्यवस्था का शिकार वो नौजवान है जिनके परिवार के सदस्यों को पुलिस प्रताड़ना का शिकार होना पड़ा था। हालाँकि सिस्टम ने भुल्लर साहिब पर तो आतंकवादी का लेबल लगाने के लिए कानूनी प्रक्रिया की कमियों का फायदा उठाया पर भुल्लर परिवार पर जुल्म करने वाले सुमेध सैनी जैसे विवादित पुलिस अधिकारी को बादल सरकार के समय राज्य का पुलिस महानिदेशक लगा दिया गया था।

गांवों की समस्या दूर करने के लिए पंचायत की

गांव में ग्राम सेवा केंद्र खोलने की मांग की

लैंड पूलिंग पॉलिसी के संबंध में गांव में कैंप लगाने का आग्रह किया

नई दिल्ली। दिल्ली ग्राम पंचायत संघ दिल्ली प्रदेश ने रविवार को गांवों की समस्याओं को लेकर पंचायत की। इस दौरान केंद्र सरकार व दिल्ली सरकार से दिल्ली के गांवों में ग्राम सेवा केंद्र खोलने की मांग की गई। पंचायत ने तर्क दिया कि यह केंद्र खुलने पर गांवों की समस्याओं का समाधान हो सकेगा। इस मौके पर संघ के प्रमुख थान सिंह यादव एवं सह प्रमुख व आठ गांवों की खाप के प्रधान सुरेश शौकीन ने कहा कि तमाम शहरीकृत गांवों की स्थिति स्लम बस्तियों जैसी हो गई है। ग्रामीणों को मालिकाना हक नहीं मिल रहा है और शिक्षा व चिकित्सा की भी सुविधा नहीं मिल रही है। नगर निगम की ओर से ग्रामीणों पर कई टैक्स लगा दिए है। गांवों में पीएनजी गैस लाइन से गैस की सुविधा मुहैया नहीं कराई जा रही है। गांवों में रोजगार की व्यवस्था नहीं है। गांवों को व्यवसायिक श्रेणी में शामिल नहीं करने पर ग्रामीणों में रोष है। गांवों में फ्री बिजली का फायदा संयुक्त परिवारों को नहीं मिल रहा है। केंद्र व दिल्ली सरकार ने अधिकृत की किसानों की कृषि भूमि वापस दी जाए, क्योंकि दोनों सरकारों ने जिस योजना के लिए यह भूमि अधिकृत की थी उसके तहत कोई कार्य नहीं किया गया और अब लैंड यूज़ बदलकर दूसरे लोगों को फायदा पहुंचाना जा रहा है। दिल्ली के गांवों के युवाओं को दिल्ली सरकार व नगर निगम की नौकरियों में 70 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। लैंड पूलिंग के मामले में गांवों में कैंप लगाए जाए और स्मार्ट जोन बनाने से पहले ग्रामीणों की समस्याएं गांवों में जाकर सुनी जाए और ग्रामसभा भूमि पांच एकड़ भूमि छोड़ी जाए। बालिकाओं, महिलाओं व बुजुर्गों के लिए दो एकड़, पशुओं के लिए दो एकड़ और पार्किंग के लिए एक एकड़ भूमि छोड़ी जाए। गांवों का फिरनी रोड मुख्य रोड सौ फुट चौड़ा किया जाए। गांवों के गरीबों के लिए पक्के मकान बनाए जाए। उन्होंने कहा कि उनकी इन मांगों पर जल्द ही कार्रवाई नहीं होने पर संघ फरवरी माह में महापंचायत करेगा।

कस्तूरबा नगर गैग रेप और पुलिस सब इंसपैक्टर की हत्या एक ही कुनबे द्वारा

लापरवाह पुलिस वालों पर भी हो कड़ी कार्रवाई : राष्ट्रवादी शिवसेना

नई दिल्ली। बहुचर्चित कस्तूरबा नगर गैंग रेप की घिनौनी वारदात न होती यदि सांसी समाज के लोगों पर दिल्ली पुलिस के सब इंसपैक्टर राजकुमार की हत्या के तुरंत बाद शिंकजा कसा होता।

यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के सानिध्य में राष्ट्रवादी शिवसेना के 'बेटी बसाओ अभियान' के एक शिष्टमण्डल ने पीड़ित परिवार और स्थानीय लोगों से विगत दिवस मुलकात की। बेटी बसाओ अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जय भगवान गोयल जी की ओर से दिल्ली पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि मुहल्ले वालों ने बीट अफिसर पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि सांसी समाज के लोग क्षेत्र में शराब की बिक्री, सट्टेबाजी और ड्रग सप्लाई का काम खुलेआम करते है जिसे संरक्षण स्थानीय पुलिस देती है। निवासियों के अनुसार होमगार्ड का एक कर्मचारी चमन चौक की एक बिल्डिंग की छत पर सट्टा का काम बेखौफ करता आ रहा है जो बदस्तूर आज भी जारी है। दिल्ली पुलिस के सब इंस्पेक्टर स्वर्गीय राजकुमार की खुलेआम कैंची और चाकू घांपकर हत्याकर दी गई थी जिसमें युवती से दरिंदगी में शामिल अधिकांश लोग शामिल थे। इनमें ऐसी महिलाएं एवं पुरुष शामिल है जो सब इंसपैक्टर की हत्या और गैंग रेप की घटना के समय अपने कुनबे के लोगों को लगातार उकसाती रही। इलाके में पुलिस चौकी बनाए जाने के कारण रोष स्वरूप सब इंस्पेक्टर राज कुमार को मार डाला गया जबकि एकतरफा प्यार के शक में किशोर द्वारा आत्महत्या करने पर संदेह के आधार पर युवती से दरिंदगी की गई। पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि यदि सब इंस्पेक्टर की हत्या के मामले में सख्ती बरती गई होती तो असहाय युवती के साथ रोंगटे खड़े कर देने वाली शर्मसार वारदात ना होती।

पत्र की प्रतियां केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह, दिल्ली के उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल, दिल्ली की ज्वाईंट कमिश्नर सुश्री छाया शार्मा एवं शाहदरा के पुलिस उपायुक्त श्री आर. साथिया सुंदरम को भेजी गई है। पत्र में दोषी पुलिस वालों के खिलाफ कड़ी से कडी कार्रवाई करने की मांग की गई है तथा पीड़ित परिवार को समुचित सुरक्षा उपलब्ध करवाने और निर्भया कोष से कम से कम 20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने को भी गुहार लगाई गई है।

गांधीजी की बातों का होता था जादुई असर

योगेश कुमार गोयल

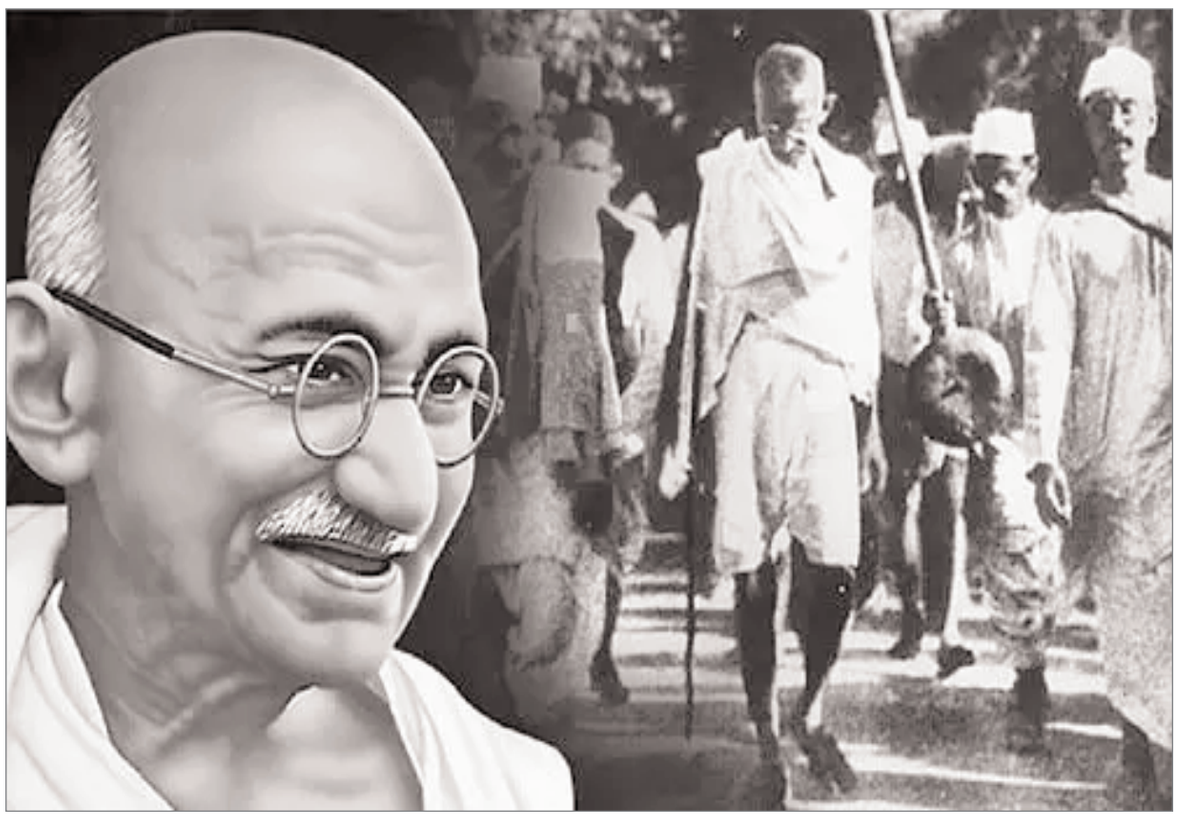

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जीवनपर्यन्त देशवासियों के लिए आदर्श नायक बने रहे। स्वतंत्रता आन्दोलन में उनके अविस्मरणीय योगदान से तो पूरी दुनिया परिचित है।

अहिंसा की राह पर चलते हुए भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्ति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गांधी जी ने अपनी स्पष्टवादिता और अहिंसक विचारों से पूरी दुनिया को प्रभावित किया था। उन्हीं के द्वारा दिखलाए मार्ग पर चलते हुए लाखों-करोड़ों भारतीय देश को अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा बने थे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठा और शिष्टता के अनेक किस्से प्रचलित हैं। इन्हीं में कुछ ऐसे प्रसंग भी सामने आते हैं, जब उनकी बातें सुनकर उनके सम्पर्क में आए व्यक्ति का हृदय परिवर्तन हो जाता था। दरअसल, लोगों के दिलोदिमाग पर उनकी बातों का जादू सा असर होता था।

गांधी जी एक बार सरोजिनी नायडू के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। श्रीमती नायडू के दाएं हाथ में चोट लगी थी। यह देख गांधी जी ने भी अपने बाएं हाथ में ही रैकेट पकड़ लिया। श्रीमती नायडू का ध्यान जब उस ओर गया तो वह खिलखिलाकर हंस पड़ीं और कहने लगीं, %%आपको तो यह भी नहीं पता कि रैकेट कौनसे हाथ में पकड़ा जाता है?%% बापू ने जवाब दिया, %%आपने भी तो अपने दाएं हाथ में चोट लगी होने के कारण बाएं हाथ में रैकेट पकड़ा हुआ है और मैं किसी की भी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहता। अगर आप मजबूरी के कारण दाएं हाथ से रैकेट पकड़कर नहीं खेल सकतीं तो मैं अपने दाएं हाथ का फायदा क्यों उठाऊं?

आजादी की लड़ाई के दिनों में गांधी जी सश्रम कारावास की सजा भुगत रहे थे। एक दिन जब उनके हिस्से का सारा काम समाप्त हो गया तो वे खाली समय में एक ओर बैठकर एक पुस्तक पढ़ने लगे। तभी जेल का एक संतरी दौड़ा-दौड़ा उनके पास आया और उनसे कहने लगा कि जेलर साहब जेल का मुआयना करने इसी ओर आ रहे हैं, इसलिए वो उनको दिखाने के लिए कुछ न कुछ काम करते रहें लेकिन गांधी जी ने ऐसा करने से साफ इन्कार कर दिया और कहा, %%इससे तो बेहतर होगा कि मुझे ऐसे स्थान पर काम करने के लिए भेजा जाए, जहां काम इतना अधिक काम हो कि उसे समय से पहले पूरा किया ही न जा सके।

एक बार गांधी जी चम्पारण से बेतिया रेलगाड़ी में सफर कर रहे थे। गाड़ी में अधिक भीड़ न होने के कारण वे तीसरे दर्जे के डिब्बे में जाकर एक बर्थ पर लेट गए। अगले स्टेशन पर जब रेलगाड़ी रुकी तो एक किसान उस डिब्बे में चढ़ा। उसने बर्थ पर लेटे हुए गांधी जी को अपशब्द बोलते हुए कहा, %%यहां से खड़े हो जाओ। बर्थ पर ऐसे पसरे पड़े हो, जैसे यह रेलगाड़ी तुम्हारे बाप की है।%% किसान को बिना कुछ कहे गांधी जी चुपचाप उठकर एक ओर बैठ गए। तभी किसान बर्थ पर आराम से बैठते हुए मस्ती में गाने लगा, %%धन-धन गांधी जी महाराज! दुःखियों का दुःख मिटाने वाले गांधी जी ...।

दिलचस्प बात यह थी कि वह किसान कहीं और नहीं, बल्कि बेतिया में गांधी जी के दर्शनों के लिए ही जा रहा था लेकिन इससे पहले उसने गांधी जी को कभी देखा नहीं था, इसलिए रेलगाड़ी में उन्हें पहचान नहीं सका। बेतिया पहुंचने पर स्टेशन पर जब हजारों लोगों की भीड़ ने गांधी जी का स्वागत किया, तब उस किसान को वास्तविकता का अहसास हुआ और शर्म के मारे उसकी नजरें झुक गई। वह गांधी जी के चरणों में गिरकर उनसे क्षमा याचना करने लगा। गांधी जी ने उसे उठाकर प्रेमपूर्वक अपने गले से लगा लिया। ऐसी ही एक घटना दक्षिण अफ्रीका की है। एक प्रसिद्ध भारतीय व्यापारी रूस्तम जी गांधी जी के मुवक्किल और निकटतम सहयोगी भी थे। वे अपने सभी कार्य अक्सर गांधी जी की सलाह के अनुसार ही किया करते थे। उस दौरान तत्कालीन कलकत्ता और बम्बई से उनका काफी सामान आता था, जिस पर वे प्रायः चुंगी चुराया करते थे। उन्होंने यह बात सदैव गांधी जी से छिपाकर रखी। एक बार चुंगी अधिकारियों द्वारा रूस्तम जी की यह चोरी पकड़ ली गई और उनके जेल जाने की नौबत आ गई। वे दौड़े-दौड़े गांधी जी के पास पहुंचे और उन्हें पूरा वृतांत सुना डाला। गांधी जी ने उनकी पूरी बात गौर से सुनने के बाद उन्हें उनके अपराध के लिए कड़ी फटकार लगाई और सलाह दी कि तुम सीधे चुंगी अधिकारियों के पास जाकर अपना अपराध स्वयं स्वीकार कर लो, फिर भले ही इससे तुम्हें जेल की सजा ही क्यों न हो जाए।

गांधी जी की सलाह मानकर रूस्तम जी उसी समय चुंगी अधिकारियों के पास पहुंचे और अपना अपराध स्वीकारते हुए भविष्य में फिर कभी ऐसा अपराध नहीं करने का वचन दिया। चुंगी अधिकारी उनकी स्पष्टवादिता से काफी प्रसन्न हुए और उन्होंने उन पर मुकद्दमा चलाने का विचार त्यागकर उनसे चुंगी की बकाया राशि से दोगुनी राशि वसूलकर उन्हें छोड़ दिया। ऐसा था गांधी जी का बातों का लोगों के दिलोदिमाग पर जादुई असर।

सम्पादकीय

वैचारिक शून्यता के शिकार 'सत्तालोभी व अवसरवादी' नेता

तनवीर जाफ़री

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को देश के उस इकलौते प्राचीन राजनैतिक संगठन के रूप में जाना जाता है जिसने स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाते हुये पराधीन भारत को स्वाधीनता दिलाई थी। महात्मा गाँधी से लेकर सुभाष चंद्र बोस,बाबा साहब भीम राव अंबेडकर, पंडित जवाहर लाल नेहरू,सरदार पटेल,मौलाना अबुल कलाम आज़ाद,ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान,जैसे अनेक महान नेता इसी कांग्रेस पार्टी के सम्मानित संस्थापक व सदस्य रहे हैं। कांग्रेस पार्टी जहाँ स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज़ादी के बाद अर्थात अब तक सर्व धर्म समभाव जैसी सर्व समावेशी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करती आ रही है वहीं इसी देश में हिन्दू महासभा,मुस्लिम लीग,राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, जैसे भी अनेक दल व संगठन सक्रिय रहे जिन्होंने कांग्रेस व गांधीवादी विचारधारा के विरुद्ध चलते हुये देश के लोगों को धर्म के नाम पर गोलबंद करने का काम शुरू किया। ऐसी शक्तियां अंग्रेज़ों के हाथों का खिलौना बन गयीं क्योंकि अंग्रेज़ भी बांटो और राज करो की इसी विभाजनकारी नीति पर चलते हुये ही विश्व के बड़े भूभाग पर शासन करते आ रहे थे। आज दुनिया के अनेक देशों ,में बन चुके कई अलग अलग देश, दुनिया के अनेक देशों में फैला धर्म के नाम का आतंक,देश प्रेम पर हावी होता धर्म प्रेम यह सब उसी अंग्रेज़ी सियासत के ही दूरगामी परिणाम हैं।

परन्तु इससे भी बड़ा सच यह है कि अंग्रेज़ों की इस विभाजनकारी नीति को परवान चढ़ाने में सबसे बड़ी भूमिका मौक़ापरस्त,क्षणिक लाभ उठाने वाले,धन व सत्ता लोभी,विचार व सिद्धांत विहीन लोगों की रही है । कहा जा सकता है कि विरासत में मिली इस वैचारिक शून्यता व रीढ़ विहीनता का सिलसिला न केवल आज तक जारी है बल्कि संभवतः यह भारतीय राजनीति के सबसे बड़े व दुर्भाग्यपूर्ण सत्य का रूप भी धारण कर चुका है। कहने को तो हमारे देश में अनेक राजनैतिक दल हैं जो दक्षिण पंथी,वाम पंथी,मध्य मार्गीय,व अनेक प्रकार की क्षेत्रीय विचारधाराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। परन्तु प्रायः इन दलों के नेताओं में वैचारिक प्रतिबद्धता अथवा वैचारिक समर्पण नाम की कोई चीज़ बाक़ी नहीं रह गयी है। कौन सा गांधीवादी कब गोडसेवादी बन जाये,कौन सा लोहियावादी अथवा समाजवादी कब दक्षिणपंथी बन जाये कुछ कहा नहीं जा सकता।इन नेताओं के वैचारिक पाला बदल के कारण भी बताने के कुछ और व हक़ीक़त में कुछ और ही होते हैं।

मिसाल के तौर पर इन दिनों कांग्रेस के अनेक नेता दल बदल करते समय यह कहते सुने जा रहे हैं कि आज की कांग्रेस पहले वाली कांग्रेस नहीं रही,कोई कहता है कि कांग्रेस आत्महत्या कर रही है,कोई नेहरू-गाँधी परिवार पर पार्टी को मज़बूत न कर पाने का आरोप लगा रहा है। परन्तु हक़ीक़त तो यह है कि देश में धार्मिक ध्रुवीकरण की सफल राजनीति करने के बाद सत्ता में आने वाली भारतीय जनता पार्टी के समक्ष उन रीढ़विहीन व विचारविहीन नेताओं द्वारा समर्पण किया जा रहा है जो लंबे समय तक सत्ता सुख भोगे बिना नहीं रह सकते। जिन्हें अपने साथ साथ अथवा अपने बाद अपने बच्चों व परिजनों के लिये पार्टी प्रत्याशी के रूप में टिकट की गारंटी चाहिए। या जो कांग्रेस में रहते हुये स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहे थे,अथवा जो अपना जनाधार समाप्त कर चुके थे।

कांग्रेस दरअसल हमेशा ही अपने ही विभीषणों से कमज़ोर हुई है। जितनी बार कांग्रेस विभाजित हुई,देश का कोई अन्य दूसरा दल विभाजित नहीं हुआ। परन्तु कांग्रेस में पूर्व में कामराज, ब्रह्मानंद रेड्डी,नारायण दत्त तिवारी,अर्जुन सिंह,जी के मूपनार,जगजीवन राम व हेमवती नंदन बहुगुणा आदि नेताओं के समय काल के पार्टी विभाजन काफ़ी हद तक पार्टी की अपनी मूल धर्मनिरपेक्ष विचारधारा को भी साथ लेकर चल रहे थे। तभी इन नेताओं ने या तो गांधीवादी विचारधारा युक्त अपने अलग राजनैतिक संगठन बनाये या फिर आगे चल कर पुनः कांग्रेस में ही विलय कर गये।

परन्तु कल तक गाँधी की हत्या का शोक मनाने वाले आज हत्यारे गोडसे का गुणगान करने वालों की पंक्ति में जा खड़े होंगे, यह संभवतः हमारे ही देश की अवसरवादी व विचारविहीन राजनीति का दुर्भाग्य है। कल तक देश को गांधीवादी विचारधारा वाला धर्म निरपेक्ष राष्ट्र बनाने का सपना देखने वाले आज हिन्दू राष्ट्र निर्माण के अग्र योद्धा बन जायेंगे इस बात की उम्मीद किसी भी विचार व सिद्धांतवादी राजनीतिज्ञ से तो हरगिज़ नहीं की जा सकती। और इसी सन्दर्भ से जुड़ी दूसरी सबसे बड़ी सचाई यह भी है कि आज जो भी तथाकथित धर्मनिरपेक्ष पार्टियां भाजपा को सत्ता से हटाने के लिये गोलबंदी कर रही हैं दरअसल इन्हीं दलों के अनेक नेता ही आज इन परिस्थितियों के ज़िम्मेदार भी हैं। भाजपा अथवा संघ आज सत्ता में अपने बल बूते पर क़तई नहीं हैं। बल्कि विभिन्न तथाकथित धर्मनिरपेक्ष दलों व उनके नेताओं ने ही कांग्रेस विरोध के नाम पर तो कभी सत्ता की मलाई खाने के चलते समय समय पर भाजपा से गठबंधन कर उसे मज़बूती प्रदान करते आये हैं। और आज जब इन्हीं विभीषणों की बदौलत भाजपा ने पूर्ण बहुमत की सत्ता हासिल कर ली है तो अब यही थाली के बैंगन इनसे वैचारिक व सैद्धांतिक लड़ाई लड़ने के बजाये स्वयं ही गिरगिट बनने में अपना उजवल राजनैतिक भविष्य तलाश रहे हैं।

कल्याण सिंह को पद्म विभूषण के राजनीतिक निहितार्थ

मृत्युंजय दीक्षित

अयोध्या में श्रीराम मंदिर के लिए अपनी सरकार को भी दांव पर लगा देने वाले उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को मरणोपरांत पद्म विभूषण का जो सम्मान मिला है, उससे समस्त रामभक्तों और अयोध्या आंदोलन से जुड़े रहे प्रत्येक व्यक्ति को बहुत ही गर्व और आनंद की अनुभूति हो रही है।

वास्तव में स्वर्गीय कल्याण सिंह का सम्मान सम्पूर्ण हिंदू सनातन संस्कृति का सम्मान है। उनका राजनीति में ऊँचा कद होने के साथ साथ प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को स्थापित करने में महती भूमिका भी थी।

चूँकि वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश में विधनसभा चुनाव की बयार है और सभी दल अपने तरकश के तीरों को मजबूती दे रहे हैं, और ऐसे समय में कल्याण सिंह को पदम विभूषण से सम्मानित करने के राजनीतिक निहितार्थ भी तलाशे जाने लगे हैं। कल्याण सिंह बड़े कद के नेता थे और उनका प्रदेश की कई विधानसभा सीटों पर गहरा प्रभाव रहता था। राजनीतिक विश्लेषक अनुमान लगा रहे हैं कि भाजपा ने कल्याण सिंह का सम्मान कर एक तीर से कई निशाने साधे हैं, जबकि सेकुलर व लिबरल लोगों को यह सम्मान खटक रहा है।

ओबीसी या पिछड़ा वर्ग में आने वाले लोधों की रूहेलखंड के बरेली, बदायूं , रामपुर आदि और ब्रज क्षेत्र आगरा, अलीगढ़, एटा, हाथरस आदि की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका है। भाजपा हिंदुत्व के नायक कल्याण सिंह का सम्मान करके इन सभी क्षेत्रों में अपनी बढ़त बनाने का प्रयास करेगी। कल्याण सिंह की राज्य की कम से कम 20 फीसदी अपने समुदाय के माने जाने वाले आबादी पर मजबूत पकड़ थी। इन 20 फीसदी लोगों और 15 प्रतिशत सवर्णों के साथ मिलकर बीजेपी ने पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनायी थी।

वोट बैंक के कारण आज हिंदू धर्म व हिंदुत्व के प्रति इतनी अधिक नफरत फैलायी जा रही है कि जब कल्याण सिंह का निधन हुआ, उस समय भी बहुजन समाज पार्टी को छोड़कर किसी भी अन्य दल की ओर से सामान्य औपचारिक शोक संदेश भी नहीं आया था। आज यही लोग सोशल मीडिया पर कल्याण सिंह का एक बार फिर अपमान कर रहे हैं। याद रखना होगा कि बहुत कम लोगों के पास अपने कार्यों के माध्यम से एक पूरी पीढ़ी को आकार देने की शक्ति होती है। कल्याण सिंह ने निश्चित रूप से अपनी उस शक्ति का प्रयोग किया था। सेकुलर -लिबरल लोग जिन्हें अयोध्या पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला तक रास नहीं आया, वे लोग आज भी कल्याण सिंह का विरोध कर रहे हैं। पत्रकार राजदीप सरदेसाई कह रहे हैं , चूंकि हम छोटी यादों वाले देश हैं, यह मत भूलिए कि 1992 में जब बाबरी मस्जिद गिरायी गयी, तब कल्याण सिंह यूपी के मुख्यमंत्री थे। आज उन्हें देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिला है।÷ सोशल मीडिया पर ऐसे ही कई तथाकथित धर्मनिरपेक्ष लगातार अपनी जहरीली और नफरत भरी भड़ास निकाल रहे हैं।

वास्तविकता यह है कि कल्याण सिंह हिंदू हृदय सम्राट थे। कल्याण सिंह का व्यक्तित्व और उनके कार्यों को किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। न खेद, न पश्चाताप न प्रायश्चित यह शब्द थे यशस्वी कल्याण सिंह के जब उनसे प्रश्न हुआ कि, क्या उन्हें बाबरी के विध्वंस पर पश्चाताप है। यह सत्य भी था कि रामजन्मभूमि पर बनाई गई अवैध मस्जिद के टूटने पर कल्याण सिंह को एक प्रतिशत भी पश्चाताप नहीं था। कल्याण सिंह जी एक नेता नहीं बल्कि स्वयं में एक आंदोलन थे। वे लोकप्रिय व सर्वप्रिय नेता थे और उन्होंने कभी भी स्वयं को हिन्दुत्ववादी छवि से अलग नहीं किया। उन्होंने 6 दिसम्बर 1992 के दिन अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलवाने से साफ मना कर दिया और बाबरी मस्जिद की आखिरी ईंट गिरते ही अपनी सरकार का त्यागपत्र राज्यपाल को सौंप दिया।

कल्याण सिंह की राजनीतिक यात्रा 1967 से अतरौली विधानसभा क्षेत्र से शुरू हुई और अपना पहला चुनाव जनसंघ से लड़ा और फिर दस बार विधायक व दो बार सांसद चुने गये। वह 1985 से 2004 तक विधायक रहे। वह 1977 से 79 तक प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री, 1980 में भाजपा के महामंत्री 1987 में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बने। 24 जून 1991 से लेकर वह छह दिसम्बर 1992 तक प्रदेश के पहली बार मुख्यमंत्री रहे । वह 2004 से 9 तक लोकसभा सदस्य रहे। फिर 2009 में भी लोकसभा सदस्य रहे 2014 में लोकसभा से त्यागपत्र दिया और फिर राजस्थन व हिमांचल के राज्यपाल भी रहे। 1991 में प्रदेश में पहली बार उत्तर प्रदेश में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी और वे उसके मुखिया। भाजपा की यह सरकार राम मंदिर के ही नाम पर बनी थी और उसी पर वह सत्ता से विमुख भी हो गयी थी। फिर 1997 में भी कल्याण सिंह ने बसपा नेत्री मायावती के साथ मिलकर सरकार बनायी लेकिन राजनीतिक कारणों से वह अधिक दिनों तक नहीं चल सकी थी।

कल्याण सिंह को केवल राम मंदिर के लिए ही नहीं, अपितु उन्हें कई और कार्यों के लिए भी याद किया जायेगा। उन्हें प्रदेश में नकल विरोधी कानून बनाकर शिक्षा में शुचिता लाने, राजनीतिक दावपेंच में जगदम्बिका पाल की राजनीति को पटखनी देने तथा मंडल की राजनीति के शोर के समय कमंडल की राजनीति करते हुए भी पिछड़ों को अपने साथ जोड़े रखने के लिये याद किया जायेगा । यह कल्याण सिंह का ही प्रयास था कि आज पूरे भारत का पिछड़ा समाज भारतीय जनता पार्टी के साथ जुड़ा है। मंडल कमीशन की आग को रोकने के लिए उन्होंने सामाजिक समरसता का फार्मूला सुझाया था।

जब वह 1991 में प्रदेश के मुख्यमंत्री बने तब तत्कालीन शिक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ मिलकर उन्होंने कड़ा कानून बनाया और नकल को संज्ञेय अपराध घोषित किया। उनके शासन काल में पहली बार नकल करने वाले छात्रों को जेल जाना पड़ा और यह कानून पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया था। उन पर कानून वापस लेने का दबाव भी बनाया गया लेकिन वह इसके लिए तैयार नहीं हुए जिसका राजनीतिक नुकसान भी बीजेपी को उठाना पड़ा क्योंकि युवा वर्ग काफी नाराज हो गया था।

कल्याण सिंह की सरकार के दौरान प्रदेश की कानून व्यवस्था बहुतअच्छी थी। कहा जाता है कि वही एक ऐसी सरकार थी जिसमें बेटियां देर रात तक अकेले घूम सकती थीं और बाजारों में किसी प्रकार की छेड़छाड और चेन छीनने जैसी वारदात तक नहीं होती थी। सरकारी अफसरों के बीच भी उनकी एक हनक और धमक थी। संगठित अपराधों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही होती थी। एक दिन में समूह ÷ग÷ की एक लाख भर्ती के लिए परीक्षा कराई। भ्रष्टाचार के आरोपों पर कड़ी कार्यवाही की। कल्याण सिंह अपनी राजनीतिक यात्रा में किसी दबाव में नहीं झुके और उनका पूरा जीवन बेदाग रहा। कल्याण सिंह पर भ्रष्टाचार और भाई भतीजावाद का कोई आरोप नहीं लगा ।

कल्याण सिंह भाजपा की जय पराजय, और पुनरूत्थान के सूत्रधार थे। भारतीय जनता पार्टी व हिंदुत्व की विकास यात्रा में उनका अमूल्य योगदान है। कल्याण सिंह वास्तव में इतिहास पुरुष बन गये हैं और वह अमरता को प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने रामभक्तों को विश्वास दिलाया कि निकट भविष्य में ऐसी सरकार आने वाली है जो पुष्पवर्षा कर रामभक्तों का अभिनंदन करेगी। वास्तव में अब योगी सरकार उनके सपनों को पूरा करने में लगी हुई है। अयोध्या में अब भव्य दीपोत्सव का आयोजन हो रहा है और सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण प्रारंभ हुए भी अब एक वर्ष हो गया है। बाबू जी की वह अंतिम इच्छा नहीं पूरी हो सकी जिसमें वह चाहते थे कि वह अयोध्या में बन रहे भव्य श्रीराम मंदिर के दर्शन करके ही अपना शरीर छोड़ें। हालांकि, कम से कम उनके लिए यह सौभाग्य की ही बात रही कि उनके सामने मंदिर निर्माण प्रारंभ हो गया।

प्रयास तो बहुत हो रहे हैं, मगर आसान नहीं है युवा मतदाताओं को लुभाना

डॉ. सुभाष गुप्ता

विधानसभा चुनावों की घंटी बजने के बाद तमाम तरह के जोड़तोड़ सामने आये हैं। अधिकांश प्रमुख दलों के उम्मीदवारों की सूचियां जारी हो रही हैं। इस सबके बीच निर्वाचन आयोग के फैसलों के मद्देनजर राजनीतिक दल चुनाव प्रचार में वर्चुअल माध्यमों का उपयोग कर रहे हैं। आजादी के बाद ऐसा पहली बार हो रहा है, जब मतदान के पहले चरण के इतना नजदीक आने के बाद भी सियासी दल भीड़ जुटाने की कवायद में नहीं जुटे हैं। चाहे या अनचाहे फिलहाल तो रैलियों की जगह डिजीटल मीडिया से काम चलाया जा रहा है। बिल्कुल उसी तरह जैसे लॉकडाउन के दौरान आम लोगों ने बाजार की चाट की जगह घर की दाल रोटी से काम चलाया था।

चुनाव के प्रचार का अंदाज ही नहीं बदला है, बल्कि नेताओं के 'टारगेट कस्टमर' यानि येन केन प्रकारेण जिन्हें लुभाना है, वे भी बदले-बदले से नजर आते हैं। ये चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं कि नई उम्र के मतदाताओं की संख्या काफी हो गई है। इस चुनाव में पांचों राज्यों में ऐसे मतदाताओं की तादाद 24.9 लाख है, जो पहली बार वोट डालेंगे। इनके अलावा युवा कहे जा सकने वाले मतदाताओं की भी एक बड़ी संख्या है। अकेले उत्तराखंड में करीब 57 प्रतिशत युवा मतदाता हैं और उ.प्र. में यह संख्या लगभग 26 प्रतिशत है।

राजनीतिक दलों के रणनीतिकार जानते हैं कि युवाओं को पकी हुई उम्र के तमाम मतदाताओं की तरह आसानी से कोई मीठी या कड़वी गोली देकर अपने पक्ष में करना आसान नहीं है। वोटर की उम्र और विचारों में आया अंतर गहरी राजनीति समझ रखने वालों की बेचैनी का कारण भी बन रहा है। हर चुनाव में वोट डालतेदूडालते उम्र के पायदान चढ़ने वाले मतदाताओं से युवा मतदाताओं की सोच एकदम अलग है। अधिकांश युवा किसी के परम्परागत वोटर तो नहीं ही हैं। यह नई पीढ़ी चाशनी में लिपटे शब्दों की मिठास और लुभावने वादों से कहीं ज्यादा अहमियत तर्कों और नतीजों को देती है। केवल नारे और वायदे सुनकर सुनहरे कल के दिवास्वपन में खो जाने की उम्मीद तो ऐसे वोटरों से अनुभवी राजनेताओं को भी नहीं ही होगी।

जातिगत और क्षेत्रीयता से जुड़ी बातें ऐसे अधिकांश शिक्षित युवा वोटरों के लिए संकीर्णताओं से ज्यादा कुछ नहीं हैं। युवाओं को प्रलोभन भी ज्यादा नहीं लुभाते। यह वो उम्र है, जब बेफिक्री और अल्हड़ मस्ती वाले बचपन व किशोरोवस्था को पीछे छोड़ आये युवाओं को भविष्य की चिंताएं सताने लगती हैं। टेबलेट, लैपटॉप या ऐसी किसी चीज का मोह तो कुछ को जरूर हो सकता है, लेकिन युवाओं की दिलचस्पी भविष्य संवारने वाले हालात और उनसे जुड़ी नीतियों में ज्यादा नजर आती है। नौकरी ही नहीं होगी, तो इन सबका क्या करेंगे? अधिकांश युवा सामान बांटने वाली राजनीति के बजाय आगे बढ़ाने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने की उम्मीद जगाने वालों को पसंद करें, तो किसी को हैरत नहीं होनी चाहिए। आंखों में आत्मनिर्भरता के सपने संजोने वाले युवाओं को केवल सामान बांटकर या बांटने का वायदा करके लुभाना आसान नहीं है।

युवाओं की सबसे बड़ी चिंता उनके भविष्य और रोजगार से जुड़ी हुई है। धर्म, जाति, क्षेत्र जैसी आपस में दूरी पैदा करने वाली भावनाओं को भड़काकर उन्हें उनकी असल चिंता से अलग करने की सोच भी बेमानी लगती है। इन वोटरों से कुछ भी छिपाना आसान नहीं है। कोई दावा हो या कमेंट, आई.टी. में अच्छा खासा दखल रखने वाले युवा खूब जानते हैं कि उसकी सच्चाई को कैसे जांचा परखा जाता है। लिहाजा, इन्हें लुभाने के लिए बहुत सोच समझ कर बोला गया झूठ भी ज्यादा देर टिक सकेगा, यह सोचना इनकी काबलियत को कम करके आंकने जैसा होगा।

आरोप-प्रत्यारोप और कीचड़ उछालने वाली राजनीति भी नए मतदाताओं को आकर्षित नहीं करती। सच तो ये है कि नई पीढ़ी, राजनीति को केवल देख-सुन ही नहीं रही है, बल्कि इसे परख भी रही है। कौन कितना गिर रहा है और अपने फायदे के लिए कौन कितना गिर सकता है, यकीन मानिये नई पीढ़ी इसका अपने तरीकों से आंकलन भी करती है। ये मैजिक बुलेट थ्योरी वाले कम्युनिकेशन का दौर नहीं है। अब यह सोचना भी आश्चर्यजनक लगता है कि किसी दौर में सूचनाएं या सच जानने का केवल एक या दो साधन ही होता होगा, अब हर सूचना को जानने परखने के साधनों का अम्बार लगा हुआ है। जो सूचना किसी माध्यम से परोसी जाती है, उसका सच सामने लाना भी नई पीढ़ी जानती है और जो सच किसी दूसरे मुलम्मे में छिपा दिया जाता है, उसे बेपर्दा करने का हुनर भी इन्हें खूब आता है।

नई पीढ़ी को फिजा में घोला जाने वाला जहर भी ज्यादा प्रभावित नहीं करता है। भारी भरकम सर्वे या इमेज बिल्डिंग के विशेषज्ञों के पैंतरे भी युवाओं को भेड़ा चाल के लिए प्रेरित नहीं करते। युवा सोच को समझने वाले बाखूबी जानते हैं कि उन्हें प्रभावित करने का काम केवल भरोसा जीतकर किया जा सकता है। शिक्षित और साफ-सुथरे उम्मीदवारों, भरोसा पैदा करने वाली नीतियों और नयापन अपनाने वाली सोच उन्हें प्रभावित करती है। आज का युवा घर की चाहरदीवारी में रहकर भी पूरी दुनिया से जुड़ा हुआ है। उसे दकियानुसी या कुएं को मेढक समझ लेना किसी भी दल या उम्मीदवार को बहुत महंगा पड़ सकता है। उद्योग, आई.टी. और दूसरे सैक्टरों में बुनियादी ढांचे के विकास से युवाओं के सपने जुड़े हैं, इन्हें नजरअंदाज करके और दागों को धो-पोंछकर युवाओं का दिल जीतना आसान नहीं होगा।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

नीमच जिले में दलित दूल्हे की बारात को पुलिस ने दी सुरक्षा

एजेंसी ■ नीमच

मध्य प्रदेश के नीमच जिले के एक गांव में कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा व्यवधान की आशंका के चलते एक दलित दूल्हे की बारात पुलिस की सुरक्षा में निकाली गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर मनासा थाना क्षेत्र के सरसी गांव में बृहस्पतिवार को पुलिस सुरक्षा में बारात निकाली गई। उन्होंने कहा कि दूल्हे के पिता फकीरचंद मेघवाल ने प्रशासन से शिकायत की थी कि गांव के कुछ प्रभावशाली लोग उनके बेटे राहुल की बारात में बाधा डाल सकते हैं। मनासा थाने के प्रभारी कन्हैयालाल डांगी ने बताया कि बारात में बाधा की आशंका के चलते एहतियात के तौर पर बारात को सुरक्षा मुहैया कराई गई थी। डांगी ने कहा, पुलिस द्वारा सुरक्षा के सभी इंतजाम किए गए और जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से निकाला गया। सभी ग्रामीणों ने सहयोग किया और कोई विरोध नहीं हुआ। ग्रामीणों ने कहा कि वे सभी सौहार्दपूर्वक रह रहे हैं। दूल्हे ने आरोप लगाया था कि कुछ ग्रामीणों ने उसके पिता को बारात नहीं निकालने की धमकी देते हुए कहा था कि यदि बारात निकाली गई तो परिवार को गांव छोड़ना होगा। बहुजन समाज पार्टी के नेता राधेश्याम कमांडर ने कहा कि उन्हें राहुल मेघवाल से सूचना मिली थी कि वह कुछ दिन पहले बिंदोली निकालना चाहते हैं और उन्होंने इस संबंध में पुलिस और प्रशासन से बात की है। बारात को स्थानीय भाषा में बिंदोली कहते हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में सागर जिले में बारात निकालने के बाद दलित दूल्हे के घर में पथराव व तोड़फोड़ करने के मामले में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया था।

राज्य में लगभग छह वर्षों से शराबबंदी लागू है।

शराबबंदी कानून की सफलता के लिए शिक्षकों की सेवा लेने के कदम का विरोध

एजेंसी ■ पटना

बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार के एक आदेश को लेकर घमासान शुरू हो गया है जिसमें सरकारी स्कूल के शिक्षकों से राज्य के शराब निषेध कानून के उल्लंघन को रोकने के लिए अपनी ओर से प्रयास करने का आह्वान किया गया है। शिक्षा विभाग द्वारा राज्य भर के अधिकारियों को शुक्रवार को एक अधिसूचना जारी की गई, जिसमें यह आदेश दिया गया है कि स्कूलों के शिक्षण कर्मचारियों को नशामुक्ति के बारे में जागरूक किया जाए और शराब की बिक्री और खपत पर प्रतिबंध के उल्लंघन के बारे में जानकारी साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। राज्य में लगभग छह वर्षों से शराबबंदी लागू है। सरकार ने आदेश में आश्वासन दिया है कि मामलों की सूचना देने वाले शिक्षकों की पहचान का खुलासा नहीं किया जाएगा। शिक्षकों से यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि स्कूलों के परिसरों को अवैध शराब के कारोबार का ठिकाने न बनने दें। विपक्षी दलों ने शिक्षकों को एक और गैर-शिक्षण कार्य में शामिल करने के लिए सरकार पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता असित तिवारी ने कहा, कुछ साल पहले, शिक्षकों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था कि लोग खुले में शौच न करें और सरकार खुले में शौचमुक्त के अपने संदिग्ध दावों पर शर्मसार हुई। अब वे एक और बेवकूफी कर रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के मुख्य प्रवक्ता और विधायक भाई वीरेंद्र ने इस आदेश को तुगलकी करार दिया और कहा कि यह शक्तिशाली शराब माफिया के साथ सीधे टकराव में लाकर शिक्षकों के जीवन को खतरे में डाल सकता है। शिक्षक भी इस दृष्टिकोण से सहमत प्रतीत होते हैं। शिक्षकों के एक संगठन के प्रवक्ता अश्विनी पांडे ने इस आशय का एक वीडियो बयान जारी किया। पांडे ने कहा, शिक्षा का अधिकार कानून में कहा गया है कि शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में नहीं लगाना चाहिए। सरकार से इस आदेश को वापस लेने का अनुरोध किया जाता है। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ने कहा, समाज को आकार देने में शिक्षकों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अगर उन्हें एक सामाजिक बुराई शराब के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने के लिए कहा जाता है तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। मुख्यमंत्री की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) के प्रवक्ता और विधान पार्षद नीरज कुमार ने आरोप लगाया कि विपक्ष आदेश को मनमाना कहकर लोगों को गुमराह कर रहा है। कुमार ने सवाल किया, इसमें मनमाना क्या है?
क्या शिक्षकों को अनुशासनात्मक कार्वाई की चेतावनी दी गई है? क्या शराबबंदी के समर्थन में मानव श्रृंखला को सफल बनाने में शिक्षकों ने अहम भूमिका नहीं निभाई? पिछले साल नवंबर से अब तक आधा दर्जन जिलों में जहरीली शराब की त्रासदियों में 50 से अधिक लोगों की जान गई है जिसके बाद से सरकार कई कदम उठा रही है।

हरा चना तोड़ कर खाने पर 12 वर्षीय लड़के ने सात साल के बच्चे की हत्या की

एजेंसी ■ बुरहानपुर

मध्य प्रदेश में बुरहानपुर जिले के एक गांव में 12 वर्षीय एक लड़के ने उसके खेत से हरा चना तोड़ कर खाने पर सात वर्षीय एक बच्चे की कथित तौर पर हत्या कर दी।
एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना 26 जनवरी को खकनार थाना क्षेत्र के शेखपुरा गांव में हुई थी, लेकिन पुलिस को बच्चे की मौत की सूचना इसके अगले दिन मिली थी।खकनार पुलिस थाने के प्रभारी, निरीक्षक कीर्तन प्रसाद धुर्वे ने कहा, अपने खेत की रखवाली कर रहे आरोपी ने बुधवार शाम सात वर्षीय बच्चे को खेत से चने का पौधा उखाड़ कर चना खाते देख अपना आपा खो दिया। आरोपी ने बच्चे को पीटा और जब उसने पाया कि वह (बच्चा) बेहोश हो गया है तब उसे खेत में ही छोड़ कर अपने घर चला गया।
अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार को पुलिस को इस घटना की सूचना मिली।
उन्होंने बताया कि बच्चे की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि उसकी मौत गला घोंटने से हुई है। उन्होंने कहा कि पुलिस इस सिलसिले में एक मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

मप्र में एमबीबीएस अध्ययन सामग्री व व्याख्यान जल्द ही हिंदी में : मंत्री सारंग

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने एमबीबीएस पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री और व्याख्यान हिंदी में देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रदेश के मंत्री विश्वास सारंग ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सारंग ने पत्रकारों से कहा कि शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय समिति ने फैसला किया कि एमबीबीएस पाठ्यक्रम के व्याख्यान में अध्ययन सामग्री के अनुवाद के साथ हिंदी को भी शामिल किया जाएगा। सारंग ने पिछले सितंबर में इस तरह की एक समिति गठित करने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि अध्ययनों से पता चला है कि छात्रों को उनकी मूल भाषाओं में पाठ्यक्रम सीखना अधिक उपयोगी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी चिकित्सा की पढ़ाई का माध्यम हिंदी करना चाहते हैं। पिछले साल की शुरुआत में सारंग ने घोषणा की थी कि आरएसएस के संस्थापक के बी हेडगेवार, जनसंघ के नेता दीनदयाल उपाध्याय, स्वामी विवेकानंद और बी आर अंबेडकर पर व्याख्यान एमबीबीएस के प्रथम वर्ष के आधार पाठ्यक्रम का हिस्सा होंगें।

आतंकवादियों ने अनंतनाग में पुलिस कर्मी की गोली मारकर हत्या की

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों ने शुक्रवार को एक पुलिस कर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों ने अनंतनाग में बिजबेहरा इलाके के हसनपोरा में स्थित जम्मू कश्मीर पुलिस के हेड कांस्टेबल अली मोहम्मद के घर के पास उनपर शाम करीब साढ़े पांच बजे गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि मोहम्मद को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। अधिकारी के मुताबिक, इलाके की घेराबंदी कर ली गई है और हमलावरों की तलाश की जा रही है।

कर्नाटक सरकार ने रात्रिकालीन कर्फ्यू हटाया, सोमवार से पुनः खुलेंगे स्कूल

एजेंसी ■ बेंगलुरु

कर्नाटक सरकार ने 31 जनवरी से रात्रिकालीन कर्फ्यू हटाने और पहली से नौवीं कक्षा तक के लिए स्कूल खोलने का शनिवार को फैसला किया। सरकार ने महाराष्ट्र, केरल और गोवा से आने वाले यात्रियों के लिए अनिवार्य आरटी-पीसीआर जांच को जारी रखने का भी फैसला किया। कर्नाटक के राजस्व मंत्री आर अशोक ने मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की अध्यक्षता में विशेषज्ञों एवं अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, 31 जनवरी से कोई रात्रिकालीन कर्फ्यू लागू नहीं होगा। अशोक के साथ मौजूद प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा मंत्री बी सी नागेश ने कहा, पहली से नौवीं कक्षा तक स्कूल कोविड-19 की तीसरी लहर के कारण बंद कर दिए गए थे। सोमवार से सभी स्कूल खोल दिए जाएंगे। सभी को विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार कोविड-19 से निपटने के लिए आवश्यक व्यवहार करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी कक्षा में कोई कोरोना वायरस से संक्रमित पाया जाता है, तो उस कक्षा का संचालन बंद कर दिया जाएगा और हर छात्र की जांच की जाएगी, लेकिन स्कूल सामान्य रूप से खुला रहेगा।
अशोक ने बताया कि बैठक में फैसला किया गया कि सार्वजनिक वाहनों में पूरी क्षमता के अनुसार यात्रियों को बैठाया जा सकेगा, लेकिन सिनेमा हॉल, मल्टीप्लेक्स, स्वीमिंग पूल, जिम, खेल परिसर और स्टेडियम में क्षमता के 50 प्रतिशत के अनुसार ही लोगों को आने की अनुमति दी जा सकेगी।
विवाहों में खुले स्थान पर 300 लोगों और बंद स्थलों पर 200 लोगों को एकत्र होने की अनुमति होगी। कार्यालय भी शत-प्रतिशत क्षमता के साथ काम करेंगे। सरकार ने धार्मिक स्थलों में सभी प्रकार की सेवाओं को अनुमति दे दी।
हालांकि धार्मिक स्थलों में केवल 50 प्रतिशत क्षमता का नियम जारी रहेगा। मेलों, रैलियों, धरना प्रदर्शनों, विरोध प्रदर्शनों, सामाजिक समारोहों और धार्मिक सभाओं पर प्रतिबंध है। राज्य में कोविड-19 मामलों के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार ने चार जनवरी से रात्रिकालीन कर्फ्यू और सप्ताहांत के कर्फ्यू सहित कई प्रतिबंध लगा दिए थे।

बंगाल के अस्पताल में लगी आग

एजेंसी ■ वर्द्धमान

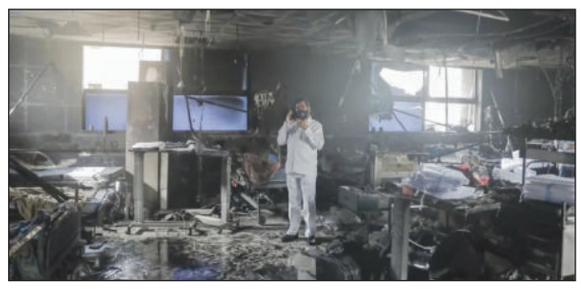

पश्चिम बंगाल के वर्द्धमान मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में शनिवार की सुबह आग लगने से कोविड-19 के एक बुजुर्ग मरीज की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मृतका का नाम संध्या मंडल (60) है और वह अस्पताल के कोविड वार्ड में भर्ती थीं जहां तड़के साढ़े चार बजे आग लगी। अस्पताल के सूत्रों ने कहा कि वार्ड के अन्य मरीज सुरक्षित हैं और उन्हें समय रहते दूसरे वार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया। सूत्रों ने कहा कि अग्निशमन कर्मियों के आने से पहले अस्पताल प्राधिकारियों ने आग बुझा दी थी। मंडल के एक रिश्तेदार ने दावा किया कि अचानक आग लगने पर संध्या ने मदद के लिए आवाज लगाई थी लेकिन किसी ने उनकी गुहार नहीं सुनी। अस्पताल के अधीक्षक तापस कुमार घोष ने कहा कि आग लगने के कारण का पता लगाने के लिए पांच सदस्यीय एक दल का गठन किया गया है। इस बीच पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि राज्य के अस्पताल मरीजों के लिए मृत्युजाल बन गए हैं। उन्होंने घटना की जांच की मांग की। नंदीग्राम से विधायक से ट्वीट किया, सरकारी अस्पतालों में भर्ती मरीजों की सुरक्षा के प्रति पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य मंत्री की उदासीनता इस तथ्य से पता चलती है कि आग लगने की घटनाएं आम बात हो गई हैं। अस्पताल लाक्षागृह की तरह मरीजों के लिए मृत्युजाल बन गए हैं। अधिकारी ने मृतका के परिजनों को 50 लाख रुपए मुआवजा देने की भी मांग उठाई। अधिकारी के बयान पर तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत राय ने कहा कि राज्य सरकार ने लोगों को दी जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार किया है जो पिछली सरकारों में नदारद थी। रॉय ने कहा, भाजपा को यह बताना चाहिए कि उसके शासन वाले राज्यों में कोविड अस्पतालों में क्या हो रहा है। वर्द्धमान की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन भाजपा को इसका राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए।

सुरक्षा

श्रीनगर में वीकेंड लॉकडाउन के दौरान एक मॉस्क बेचने वाले बच्चे से मास्क खरीदते हुए एक बच्चा।

फोटो- एजेंसी

कोविड नियमों के उल्लंघन पर दिलीप घोष को निगम चुनाव के लिए प्रचार से रोका गया

एजेंसी ■ कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष को शनिवार को कथित तौर पर कोविड अनुकूल आचरण के उल्लंघन पर पुलिस ने विधाननगर के एक वार्ड में निगम चुनावों में पार्टी उम्मीदवार के लिए प्रचार करने से रोक दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि घोष विधाननगर के वार्ड संख्या 20 के जगतपुर बाजार इलाके में 50 से अधिक लोगों के साथ प्रचार कर रहे थे, जो राज्य निर्वाचन आयोग के एक समय में प्रचारकों की संख्या को केवल पांच तक सीमित रखने के निर्देशों का उल्लंघन था। अधिकारी ने कहा कि जब घोष को नियम के उल्लंघन के बारे में बताया ग या तो उन्होंने बहस शुरू कर दी। भाजपा नेता ने हालांकि दावा किया कि पुलिस राज्य निर्वाचन आयोग के नियमों का सिर्फ उनकी पार्टी के सदस्यों से अनुपालन करा रही है। उन्होंने बताया कि उनके साथ सिर्फ चार और लोग थे तथा शेष स्थानीय लोग थे जो उनसे मिलने आए थे। घोष ने जोर देकर कहा, यदि हम प्रचार नहीं कर सकते तो इस चुनाव का क्या अर्थ है? मेरे साथ सिर्फ चार लोग थे। बाकी स्थानीय लोग थे जो मुझसे मिलने आए थे। संपर्क किए जाने पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्य प्रवक्ता कुणाल घोष ने दावा किया कि भाजपा के वरिष्ठ नेता ने पूर्व में भी आसनसोल में चुनाव प्रचार के दौरान कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया था। तृणमूल नेता ने कहा, सभी को याद है कि पिछले साल अगरतला नगर निगम चुनाव (त्रिपुरा में) के दौरान टीएमसी को प्रचार करने से कैसे रोका गया था। इसलिए दिलीप घोष को बात करना बंद कर देना चाहिए। विधाननगर नगर निगम और तीन अन्य नगर निकायों के चुनाव 12 फरवरी को होने हैं।

ग्वालियर के एक होटल में भोपाल की युवती के साथ सामूहिक बलात्कार

एजेंसी ■ ग्वालियर

मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर में एक होटल में दो लोगों ने कथित तौर पर भोपाल की 22-वर्षीय युवती के साथ सामूहिक बलात्कार किया।
पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) विजय सिंह भदौरिया ने शनिवार को बताया कि घटना बुधवार रात विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के होटल में हुई।
भोपाल की रहने वाली पीड़िता अपनी सहेली के साथ सिटी सेंटर के एक होटल में पार्टी करने गई थी। उन्होंने शिकायत का हवाला देते हुए बताया कि पार्टी के बाद दो लोगों ने पीड़िता को घेर लिया और उसे होटल के एक कमरे में ले गए। कमरे में दोनों ने उसके साथ बलात्कार किया। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने पीड़िता को शिकायत न करने की धमकी भी दी। डीएसपी ने कहा कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत बलात्कार और डराने-धमकाने का मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

लोकायुक्त संशोधन भाजपा ने आरोप लगाया कि इस कदम से वामपंथी पार्टी की भ्रष्टाचार विरोधी रुख की चालाकी बेनकाब हुई है।

कांग्रेस ने येचुरी से हस्तक्षेप का अनुरोध किया

एजेंसी ■ तिरुवनंतपुरम

लोकायुक्त अधिनियम में संशोधन के एलडीएफ सरकार के फैसले पर केरल में राजनीतिक विवाद थमता नहीं दिख रहा क्योंकि विपक्षी कांग्रेस ने इस मामले में माकपा महासचिव सीताराम येचुरी के हस्तक्षेप की मांग की है। वहीं, भाजपा ने आरोप लगाया कि इस कदम से वामपंथी पार्टी की भ्रष्टाचार विरोधी रुख की चालाकी बेनकाब हुई है। कांग्रेस नेता वी डी सतीशन ने दशकों पुराने इस कानून में संशोधन के प्रस्तावित अध्यादेश को हाल में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मंजूरी नहीं देने का अनुरोध किया था। उन्होंने एचुरी को लिखे पत्र में कहा कि विजयन के नेतृत्व वाली माकपा सरकार का उद्देश्य राज्य में लोकायुक्त को कमजोर करना है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मार्क्सवादी पार्टी केंद्र द्वारा अध्यादेश लाने का कड़ा विरोध करती थी, जबकि राज्य विधानसभा को विश्वास में लिए बिना लोकायुक्त अधिनियम में संशोधन करने का उनका कदम इस संबंध में उनके अपने घोषित रुख के विपरीत है। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सतीशन ने अपने पत्र में एचुरी से 2011 और 2013 में राज्यसभा में दिए उनके (एचुरी के) स्वयं के तर्कों को याद करने का आग्रह किया, जिसमें लोकपाल को राजनीतिक नियंत्रण से स्वायत्त, पारदर्शी, व्यापक और स्वतंत्र बनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया था। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, केरल लोकायुक्त अधिनियम 1999 में संशोधन के लिए प्रस्तावित अध्यादेश भ्रष्टाचार की रोकथाम को लेकर लोकपालालोकायुक्त को मजबूत करने के वास्ते आपकी पार्टी और आपके खुद के द्वारा अपनाए गए प्रगतिशील रुख का विरोधाभासी है।
कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि मौजूदा अधिनियम, ई.के. नयनार के नेतृत्व वाली तत्कालीन कम्युनिस्ट सरकार के नेतृत्व में लाया गया था, जिसमें भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए कड़े प्रावधान हैं। उन्होंने कहा, यह संशोधन सचमुच लोकायुक्त को शक्तिहीन कर देता है। यह हैरान करने वाला है कि उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा किए गए निर्णय के लिए अपील प्राधिकारी के रूप में एक कार्यकारी कैसे काम कर सकता है।
इस बीच, मुरलीधरन ने वाम दल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लोकपाल के आंदोलन के समय उसके नेता भ्रष्टाचार के प्रति असहिष्णुता रखने वालों की तरह लग रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, वे अब अपना असली रंग दिखा रहे हैं।
अगर केंद्र एक अध्यादेश लाता है, तो यह उनके लिए अलोकतांत्रिक है। अगर वे खुद राज्य में वैसा ही कदम उठाते हैं, तो वे कहेंगे कि यह एक लोकतांत्रिक दृष्टिकोण है।

मुख्यमंत्री की सार्थक सोच का मिला प्रतिफल, अनछुए पर्यटन स्थलों के बहुरने लगे दिन

■ रांची

अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र में शुमार लातेहार जिले की अब पहचान बदलने लगी है। नई पहचान अब पर्यटन की बन रही है। अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य खुद में समेटे ललमटिया डैम पर्यटकों को बरबस अपनी ओर लुभाने लगा है। अपने विकास की वर्षों से बांट जोह रहे डैम पर जब मुख्यमंत्री की नजर पड़ी, तो उन्होंने लातेहार के उपायुक्त को इसके सौंदर्यीकरण का निर्देश दिया। फिर क्या था। उपायुक्त अबु इमरान प्रशासनिक महकमा के साथ डैम पर पहुंचे एवं निरीक्षण किया। कई बार बैठक कर ललमटिया डैम को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना बनायी। जिसके बाद डीटीपीसी की बैठक में लालमटिया डैम के सौंदर्यीकरण का निर्णय लिया गया एवं तदुपारंत ललमटिया डैम के सौंदर्यीकरण का कार्य आरंभ किया गया। देखते ही देखते ललमटिया डैम की सूरत पूरी तरह से बदल गई। डैम को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने से पर्यटन के रूप में नई पहचान मिली। जिस जगह जाना कोई पसंद नहीं करता था, वहां अब पर्यटक विचरते नजर आते हैं। राजा मेदनीराय द्वारा 16वीं शताब्दी में लातेहार में निर्मित नवागढ़ स्थित नवरत्नगढ़ किला को उसका भव्य स्वरूप पुनः प्रदान किया जा रहा है। सरकार के निर्देश के बाद इसकी बुलंदी को कायम करने का कार्य जारी है। इसके लिए किला तक पहुंचने के मार्ग को दुरुस्त किया गया है। आरामदायक सीढ़ियों का निर्माण हुआ है। अब पर्यटक इस किला के भव्य रूप को देखने आ रहे हैं। यहां पर्यटकों के लिए मूलभूत सुविधाओं की भी व्यवस्था की गई है। उपायुक्त अबु इमरान की माने, तो नावागढ़ किला एवं ललमटिया डैम को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने से जहां पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है, वहीं रोजगार सृजन के नये अवसर भी सृजित हो रहे हैं। ललमटिया डैम में नौका विहार कराने को लेकर जिला प्रशासन द्वारा कार्य योजना तैयार कर 100 लोगों को प्रशिक्षण दिया गया है। जिसमें 20 लोगों को नौका विहार व 16 लोगों को लाइफगार्ड के लिए चयनित किया गया। जल्द ही ललमटिया डैम में नौका विहार आरंभ होगा।

बर्थडे स्पेशल 31 जनवरी

बॉलीवुड में 'डिंपल गर्ल' के नाम से मशहूर हैं प्रीति जिंटा

बॉलीवुड में डिंपल गर्ल के नाम से मशहूर अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने फिल्मों अपने मासूमियत और सादगी भरे अभिनय से हर किसी का दिल जीता। प्रीति का जन्म 31 जनवरी 1975 को शिमला में हुआ था। प्रीति के पिता का नाम दुर्गानंद जिंटा और मां का नाम नीलप्रभा है। प्रीति 13 साल की थी, तभी एक कार एक्सीडेंट में उनके पिता का निधन हो गया। प्रीति की स्कूली पढ़ाई शिमला के कॉन्वेंट ऑफ जीसस और मैरी स्कूल से हुई।

इसके बाद उन्होंने सेंट बेड़े कॉलेज शिमला से आगे की पढ़ाई की। प्रीति ने ग्रेजुएशन इंग्लिश ऑनर्स और पोस्ट ग्रेजुएशन क्रिमिनल साइकोलाजी से किया है। साल 1998 में प्रीति ने मणिरत्नम की फिल्म %दिल से% से बॉलीवुड में कदम रखा। अपनी पहली ही फिल्म में उन्हें फिल्म अभिनेता शाहरुख़ खान और मनीषा कोइराला के साथ अभिनय करने का मौका मिला।

प्रीति की निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने साल 2016 में अमेरिकन सिटिजन जीन गुडइनफ के साथ शादी की। शादी के लगभग पांच साल बाद नवंबर, 2021 में 46 साल की प्रीति जिंटा सेरोगेसी के जरिए मां बनी। प्रीति जिंटा के जुड़वां बच्चों में एक बेटा और बेटी है जिनका नाम जय और जिया है।

अपनी पहली ही फिल्म से प्रीति हर किसी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में कामयाब रहीं।

उर्वशी रौतेला ने अरब फैशन वीक में पहनीं 40 करोड़ की सोने की ड्रेस

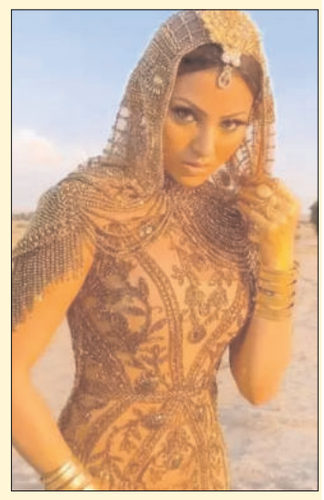

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने अरब फैशन वीक में 40 करोड़ की सोने की ड्रेस पहनी है। उर्वशी रौतेला हमेशा अपने स्टाइल से दिल जीतने में कामयाब रहती हैं। उर्वशी रौतेला अरब फैशन वीक में दो बार शिरकत करने वाली पहली भारतीय बन चुकी हैं। उर्वशी रौतेला ने अरब फैशन वीक में 40 करोड़ रुपये की कीमत वाली सोने की ड्रेस पहनी तो वहां मौजूद लोग हैरान रह गए और उन्हें खूब चीयर किया। उर्वशी रौतेला एक हाई डीप कट स्प्लिट गोल्डन एम्बेलिश्ड गाउन पहने हुए दिखाया दे रही थीं, जिसमें नीचे के हेम से गोल्डन स्ट्रैंड्स थे। उनका हेडगियर असली सोने से और हीरो से बनाया गया था और सबसे प्रसिद्ध डिजाइनर में से एक फर्नें वन अमाटो ने उनकी पूरी ड्रेस डिजाइन की थी। उर्वशी रौतेला जल्द ही वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश में रणदीप हुड्डा के साथ दिखेंगी। उर्वशी द्विभाषी थ्रिलर ब्लैक रोज के साथ-साथ थिरुट्टू पायले 2 के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

विद्युत जामवाल ने कलारीपयट्टू अकाडमी को पांच लाख रूपए की राशि दान की

बॉलीवुड के एक्शन हीरो विद्युत जामवाल ने कलारीपयट्टू अकाडमी को पांच लाख रूपए की राशि दान की है। विद्युत जामवाल ने बच्चों को ट्रेनिंग देने वाली अकादमी कलारीपयट्टू को पांच लाख रूपए धनराशि की दान की है। विद्युत जामवाल ने कहा, ÷भारत के पारंपरिक स्वास्थ्य के तरीकों को फिर से सक्रिय करने की आवश्यकता है। कलारीपयट्टू आज जीवित सबसे अच्छी उपलब्ध प्राचीन स्वास्थ्य संस्कृति है। इस कला को दुनिया के सामने लाना समय की आवश्यकता है। केरल से शुरू हुए कलारीपयट्टू और कलारी के गुरूओ को आर्थिक रूप से समर्थन देना मेरा पहला कदम है। विद्युत जामवाल ने कहा, ÷कलारीपयट्टू के लिए मेरे पास बड़ी योजनाएं हैं, जो निकट भविष्य में पारंपरिक और आधुनिक अभ्यासकर्ताओं के लिए है।

अस्पताल में देवोलीना भट्टाचार्जी से मिलने पहुंची अफसाना खान, बोलीं- जल्दी ठीक हो जा मेरी जान

बिग बॉस 15 के फिनाले से चार दिन पहले ही देवोलीना भट्टाचार्जी और अभिजीत बिचुकले बेघर हो गए थे। और रश्मि देसाई ने टिकट टू फिनाले हालिस कर लिया था। टास्क के दौरान देलोवीना ने बाकी कंटेस्टेंट को कड़ी टक्कर दी थी लेकिन वह खुद चोटिल हो गई थीं। और जब वह घर से बाहर आईं तो इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती हुईं। जहां उनसे अफसाना खान मिलने के लिए पहुंची। वीडियो पोस्ट कर उन्होंने ऐक्ट्रेस के जल्द ठीक होने की कामना की है।

दरअसल, घर में हुए पोल टास्क के वक्त देवोलीना को पैर में काफी चोट आई थी। वह 19 घंटे तक पिलर पर खड़ी रही थीं। और उन्होंने टास्क को पूरा किया था। लेकिन बाद में उनको उमर ने पानी की तेज बौछार मारकर उतार दिया था। जिससे वह टास्क जीत नहीं पाई थीं। खैर, इस दौरान उनको चोट लग गई थी। उनकी कोई नस डैमेज हो गई थी। एक लाइव चैट में ऐक्ट्रेस ने बताया कि वह ट्रीटमेंट के लिए अस्पताल में भर्ती हुईं, जहां उनको सर्जरी करानी पड़ी। हालांकि खबर है कि वह रिकवर कर रही हैं और अभी अस्पताल में ही हैं।

देवोलीना ने लाइव सेशन के दौरान कहा था, 'मैंने एमआरआई करवाया है। मेरी हालत काफी गंभीर है। 19 घंटे भारी पड़ गए। गिरने की वजह से चोट ज्यादा आ गई है। मैं गुरूवार को अस्पताल में भर्ती होने वाली हूं और शुक्रवार को मेरा ऑपरेशन होगा। मैं इस चीज से लड़ूंगी। लेकिन इसको लेकर चिंता भी है। मुझे बस आप लोगों की दुआ की जरूरत है। मैं अस्पताल में भर्ती होने से पहले आप लोगों से बात करना चाहती थीं। फैन्स की दुआओं के बीच अफसाना खान खुद ऐक्ट्रेस से मिलने अस्पताल पहुंची।

यहां का वीडियो डालकर उन्होंने जल्द ठीक होने की प्रार्थना की है।

इस वीडियो पर देवोलीना ने भी रिएक्ट किया है। उन्होंने अफसाना पर अपना प्यार लुटाया है। साथ ही बाकी भी उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं।

तापसी पन्नू पर कपिल शर्मा ने ली चुटकी

ऐक्ट्रेस के पास इतने पैसे कि गिनने का समय नहीं

तापसी पन्नू और ताहिर राज भसीन की फिल्म लूप लपेटा नेटफ्लिक्स पर 4 फरवरी को रिलीज होने वाली है। ऐसे में वह फिल्म के प्रमोशन के लिए द कपिल शर्मा शो पहुंची। वहां कीकू शारदा, कृष्णा अभिषेक और सुदेश लहरी ने खूब हंसी-ठिठोली की। कपिल ने भी मौके पर चौका मारा। उन्होंने तापसी से सवाल पूछा कि फिल्म में आपको 50 लाख रुपये का इंतजाम करना है, लेकिन अगर असल में करना हो तो आप सबसे पहले किससे मांगेंगी? इस पर तापसी ने जो जवाब दिया, उससे सबकी हंसी छूट गई। दरअसल, शो के जारी प्रोमो में कीकू शारदा अपने वकील वाले किरदार में हैं और वह दोनों ऐक्टर्स के साथ डांस करते हैं। इसके बाद वह एंटरटेनमेंट के लिए एक कहानी सुनाते हैं। तापसी और ताहिर से अतरंगी सवाल पूछते हैं। जिसे सुनने के बाद सबका मूड लाइट हो जाता है। फिर कपिल कहते हैं, इस फिल्म में तापसी को 50 मिनट में 50 लाख रुपये का जुगाड़ करना है। पर वैसे कैसे कभी जरूरत पड़ गई तो कौन है ऐसा आपका फ्रेंड जिसको आप फोन करेंगी आधी रात को? इस पर ऐक्ट्रेस जवाब देती हैं। कहती हैं, मैं शायद उस सिचुएशन में भी अपने पापा को ही पहले फोन करूंगी क्योंकि मेरे पास 50 लाख हैं कि नहीं ये पूछने के लिए भी उनको ही फोन करना पड़ेगा मुझे।

शो के दौरान तापसी ने भी प्रमोशन को लेकर एक जोक मारा था। कहा था कि जितने दिन प्रमोशन में लग जाते हैं, उतने में तो एक फिल्म शूट हो जाती है। और अगर प्रमोशन न करना हो तो वह पांच और फिल्में कर सकती हैं। बता दें कि 'हसीन दिलरुबा', 'एनाबेले सेतुपति' और 'रश्मि रॉकेट' के बाद ये तापसी पन्नू की लगातार चौथी फिल्म है, जो ओटीटी पर रिलीज हो रही है। वहीं ताहिर की बात करें तो वह फिल्म '83' में नजर आए थे, जिसमें उन्होंने पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर की भूमिका निभाई है।

दुल्हनिया मौनी रॉय

ने शेयर कीं मेहंदी की प्यारी तस्वीरें, जिनमें छुपा है कुछ खास, जानकर आप भी कहेंगे वाह!

ऐक्ट्रेस मौनी रॉय ने हाल ही दुबई के रहने वाले बिजनसमैन सूरज नांबियार से शादी की। दोनों ने 27 जनवरी को करीबी दोस्तों और परिवार के लोगों की मौजूदगी में गोवा में सात फेरे लिए थे। मौनी ने अपनी शादी के अनमोल और यादगार पलों की कुछ झलकियां तस्वीरों में दिखाई। मौनी और सूरज नांबियार की शादी से लेकर हर रस्म की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। अब मौनी ने हाल ही अपनी खूबसूरत मेहंदी की तस्वीरें शेयर की हैं।

येलो कलर का लहंगा पहने मौनी अपने पिया के नाम की मेहंदी को फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। लेकिन इस मेहंदी में एक खास चीज है, जिसने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। वह है उनके पिया यानी सूरज नांबियार का नाम। मौनी ने अपने हाथों पर पिया के नाम की मेहंदी तो लगाई ही, उनके नाम को भी अपने हाथों में कैद कर लिया। मेहंदी लगे मौनी रॉय के हाथों में सूरज नांबियार के इनिशियल्स यानी एसएन साफ नजर आ रहे हैं। मौनी और सूरज ने मलयाली और बंगाली रीति-रिवाजों से शादी की। इनमें से मलयाली शादी की रस्म सुबह हुई थी जबकि बंगाली रस्म शाम को। मौनी रॉय और सूरज नांबियार की पहली मुलाकात 2019 में एक न्यू ईयर पार्टी में हुई थी। मौनी उस वक्त नया साल मनाने दुबई गई थीं। वहीं एक क्लब में मौनी और सूरज की मुलाकात हुई थी।

नए रियलिटी शो 'अब हंसेगा इंडिया' से होगा जॉनी लीवर, भाग्यश्री, अनीस बज़्मी का वेलकम

स्टार क्राफ्ट मनोरजंन प्राइवेट लिमिटेड बहुत जल्द एक नया शो लेकर आ रहा है जिसका नाम है ÷अब हंसेगा इंडिया÷। इस शो की टैगलाइन यह है कि आपके अंदर कोई टैलेंट है तो अच्छी बात है, अगर टैलेंट नहीं भी हो तो आपका काम हो जाएगा। हां आपको सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना जरूरी है। देश सहित पूरी दुनिया में सिर्फ रील के जरिये लोगों को हंसाया, इम्प्रेस किया अब इस शो के माध्यम से इन लोगों को एक बड़ा प्लेटफार्म मिलने जा रहा है। यह कम्पनी जो यह टीवी शो प्रोड्युस कर रही है। इसमें जज के रूप में जॉनी लीवर, भाग्यश्री और मशहूर कॉमेडी डायरेक्टर अनीस बज़्मी होंगे। बता दें कि अनीस बज़्मी नो एंट्री, वेलकम जैसी सुपर हिट फिल्मों के निर्देशक हैं। तो नो एंट्री में इन तमाम लोगों की एंट्री कराके सभी का वेलकम कर रहे हैं, क्या पता आपलोगों में से कोई किंग बन जाए। इस शो की खासियत यह है कि सोशल मीडिया पर छाए हुए लोग यहां जगह पाएंगे। हर एपिसोड में दस कंटेस्टेंट रहेंगे। सभी प्रतिभागियों को नाम तो मिलेगा ही उन्हें इनाम भी दिया जाएगा।

इस शो के निर्माता हैं विजय चौहान,चिराग़ शाह,नरेंद्र राहुरीकर और सह निर्माता हैं सारू वालिया और राहुल भानुशाली। इस अनोखे शो के डायरेक्टर तरुण चोपड़ा हैं। जिन्होंने अब तक फ़िल्म फेयर अवार्ड्स, मिस इंडिया, चलती का नाम अंताक्षरी, एक मिनट, फ़िल्मी दीवाने, स्क्रीन अवार्ड्स, स्टारडस्ट अवार्ड सहित कई सारी ऐड फिल्मों का निर्देशन किया है। वह टीवी इंडस्ट्री के बड़े डायरेक्टर है। इस शो का कॉन्सेप्ट संतोष राममीना मिजगर का है जिनकी मराठी फ़िल्म पाटिल आ चुकी है।

टीवी पे आने वाले एक घन्टे के इस शो में 3 सेगमेंट होंगे। इसके पहले सेगमेंट में रील से जुड़े हर कैटगरी के लोग आएंगे, चाहे बिज़नसमैन हों, डॉक्टर, बच्चे, बूढ़े हों, उन्हें यहां बुलाया जाएगा। इस टेलीविजन शो का कॉन्सेप्ट तय्यार करने वाले संतोष मिजगर ने बताया कि हम प्रतिभागियों से बातचीत करेंगे कि आप कहाँ के रहने वाले हैं, क्या करते हैं, यह आईडिया आपको कैसे आया। दूसरा सेगमेंट ट्विटर का है। बहुत से लोग अलग अलग ट्वीट्स का फनी रिप्लाई करते हैं, लोगों को मजा आता है, दूसरे सेगमेंट में हम ऐसे लोगों को बुलाएंगे जो ट्विटर पर मजेदार जवाब देते हैं। शो का तीसरा सेगमेंट होगा जुगाड़। हमारे देश मे हर आदमी कोई न कोई जुगाड़ लगा कर अपना इनोवेशन करता है और अपना काम चलाता है। कभी कभी वह फनी लगता है लेकिन दरअसल वह भी एक टैलेंट होता है, इस सेगमेंट में हम ऐसे जुगाड़ू लोगों को बुलाएंगे और उनके साथ बातचीत करेंगे।

दरियाबाद के प्रथम आगमन पर अरविंद सिंह गोप का कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

संवाददाता

बनीकोडर, बाराबंकी। 270 विधानसभा दरियाबाद के प्रथम आगमन पर समाजवादी पार्टी के पूर्व कैबिनेट मंत्री कद्दावर नेता अरविंद सिंह गोप का अहमदपुर टोल प्लाजा के पास समाजवादी कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। स्वागत में शिवम् सिंह,सूबेदार सिंह,मोहित सिंह,गुड्डू रावत आदि लोग मौजूद रहे।इसके बाद आगे कस्बा कोटवा

सड़क में सपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। स्वागत में जिला अध्यक्ष मोहम्मद हफीज अयाज पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ कुलदीप सिंह, जिला कोषाध्यक्ष प्रीतम सिंह, युजन सभा के जिला अध्यक्ष आशीष सिंह आर्यन, यूथ ब्रिगेड जिला अध्यक्ष साफे जुबेरी आदि नेताओं के साथ 270 दरियाबाद में सपा कार्यालय का उद्घाटन किया , जिनका जगह जगह पर भव्य स्वागत कार्यकर्ताओं ने किया । इस अवसर पर सपा जिला उपाध्यक्ष विधान परिषद सदस्य ,प्रतिनिधि डॉ एम एल साहू युजन सभा के जिला सचिव अवधेश वर्मा, प्रधान प्रेम नारायन यादव ,मोहम्मद आरिफ जलाल उर्फ छोटू भैया, प्रांशु वर्मा ,श्री चंद वर्मा ,राम धीरज आदि तमाम कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

रायबरेली मैं शराब से 12 लोगों से ज्यादा लोगों की मौत का जिम्मेदारी सरकार को खुद लेनी चाहिए और शराबबंदी की घोषणा कर देनी चाहिए ...मुर्तजा अली

रायबरेली। रायबरेली महाराजगंज के पहाड़पुर गांव में 24 जनवरी 2022 को शराब से 12 लोगों की मौत हो जाती है और 30 लोग गंभीर रूप से बीमार होकर अस्पताल में भर्ती हो जाते हैं उसके

बाद शराब की दुकान बंद करके दुकान मालिक फरार हो जाता है सरकार ने अपनी तरफ से कार्रवाई करते हुए क्षेत्रीय आबकारी अधिकारी कोतवाल चौकी इंचार्ज समेत नौ लोगों को निलंबित कर दिया है मगर सरकार हर बार शराब से जब सामूहिक मौतें होती हैं तो इसी तरह की कार्रवाई करती है उसके बाद फिर प्रशासन सो जाता है फिर जब इस तरह की कोई बड़ी घटना होती है तो फिर सामने आकर कुछ अधिकारियों को निलंबित करके फिर या फिर अपने काम में लग जाता है जबकि इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी है राज्य सरकार की है राज्य सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेते हुए शराब को बंद करने का कानून बनाना चाहिए जिससे दोबारा समाज में इस तरह की घटना ना हो और निर्दोष लोगों का घर उजड़ने से बच सके शराबबंदी संघर्ष समिति लगातार राज्य सरकार से शराबबंदी की मांग कर रहा है।

गोप को तरजीह, राजा को नसीहत

लखनऊ। राजनीति में कुछ ऐसे भी लोग होते है जो खुद को पार्टी के निर्णय से ऊपर मानते है। जिन्हें पार्टी और राष्ट्रीय नेतृत्व पर भरोसा नहीं होता है बल्कि उनके खिलाफ रहने की आदत होती है। उन्हें खुद की टीआरपी पर ज्यादा भरोसा रहता है। जबकि वह भूल जाते हैं कि राजनीति में कुछ भी स्थाई नहीं होता है।

आज दरियाबाद में जो हो रहा है, वह नियति है। दरअसल, यही वक्त और समय की मांग थी। जिसे सभी को स्वीकार करना चाहिए। लेकिन राजनीति में एक ऐसा भी तबका है, जो किसी भी बात से खुश नही होता। अरविंद सिंह गोप को अखिलेश यादव ने दरियाबाद भेजा, तो राजा नाराज़ हो गए। ऐसे में कोई अखिलेश यादव के निर्णय पर तंज़ कर रहा है, तो कोई अरविंद सिंह गोप पर, यह वह लोग है जो पार्टी में दरार पैदा करने का काम कर रहे है। और सपा को ही नसीहत कर रहे हैं।

दरअसल, राजा राजीव कुमार सिंह को विचार करना चाहिए कि जिस अंदाज में वह अखिलेश यादव से मिलकर अपनी बात रखते हैं, क्या वह अन्य दलों में ऐसी पैठ बना पाएंगे। कोई अन्य पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष उन्हें इतनी तरजीह देगा जो अखिलेश यादव देते है। उनका गुस्सा जायज़ है।

लक्ष्य कॉलेज के होनहार छात्र वैभव राणा दीक्षांत सम्मान समारोह में हुए सम्मानित

संवाददाता

स्योहारा। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली में आयोजित दिक्षांत समारोह में कुलाधिपति ,कुलपति अनिल कुमार शुक्ला एवं सघं लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के मार्ग दर्शन में लक्ष्य पी जी कॉलेज स्योहारा के छात्र बैभव राणा पुत्र ओम प्रकाश राणा निवासी जेतरा (धामपुर) को एमएससी रसायन विज्ञान में विश्वविद्यालय में सर्वाधिक अंक आने पर गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया। वैभव की इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार चौहान प्रबंधक अनुराग चौहान ने उन्हें बधाई दी है। उनका

सम्मानित होता छात्र

कहना है कि वैभव के इस गौरव भाई कार्य से जनपद बिजनौर और उनके महाविद्यालय का नाम रोशन हुआ है। वैभव को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 मसूद अहमद की पत्नी श्रीमती अनीषा मसूद के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा का आयोजन

लखनऊ । राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्रनाथ त्रिवेदी ने बताया कि राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 मसूद अहमद की पत्नी श्रीमती अनीषा मसूद के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया जिसमें रालोद नेताओं और पदाधिकारियों ने 2 मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की कि दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार को अपार दुख सहन करने की शक्ति एवं दिवंगत आत्मा को परम शान्ति प्रदान करें।

शोक सभा में राष्ट्रीय सचिव अनिल दुबे, टीम आर0एल0डी0 के राष्ट्रीय संयोजक अनुपम मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष वसीम हैदर, प्रदेश महासचिव संतोष यादव, प्रदेष सचिव एम0 ए0 आरिफ, बी0एल0 प्रेमी, रमावती तिवारी, प्रीति श्रीवास्तव, मनोज सिंह चौहान छात्रसभा के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक चौहान, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव आरिफ महमूद, श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद पटेल, व्यवस्थाधिकारी इकराम सिंह, शशांक श्रीवास्तव, अमन पाण्डेय, महेश पाल, रामनाथ यादव, प्रमोद शुक्ला, हरपाल।

ट्रैक्टर की टक्कर से टेंपो चालक समेत चार लोग बुरी तरह घायल

संवाददाता

उरुवा प्रयागराज। ट्रैक्टर की टक्कर से टेंपो चालक समेत चार लोग बुरी तरह घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए आनन-फानन में सीएचसी रामनगर ले जाया गया। मांडा थाना क्षेत्र के चौकठा नरवर गांव के पास सवारी लेकर रामनगर बाजार की तरफ जा रही टेंपो में अनियंत्रित ट्रैक्टर ने पीछे से टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टेंपो में सवार चालक सहित तीन लोग बुरी तरह घायल हो गए। जिन्हें घटनास्थल पर मौजूद रहे लोगों ने एंबुलेंस

बुलाकर आनन फानन में इलाज के लिए सीएचसी रामनगर पहुंचाया। जहां पर घायलों में चालक आदर्श (18) निवासी चौकठा नरवर तथा अशरफ अली (45) निवासी दिघिया एवं विपिन सरोज (20) सुमेरी का पूरा उंचडीह बाजार और फुलवंती देवी (40) निवासी रामनगर की इलाज के दौरान हालत बिगड़ती देख अस्पताल के डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

जाती धर्म देखकर नही बल्कि उमीदवार की काबलियत देखकर करे मतदान:अरूण कुमार वर्मा

संवाददाता

स्योहारा। यूपी सहित 5 राज्यो में होने जा रहे विधानसभा चुनावों में मतदाताओ को ज़्यादा से ज़्यादा मतदान करने की अपील करते हुए समाजसेवी व व्यापारी नेता अरुण कुमार वर्मा ने कहा कि मतदान भी एक महादान ही है क्योंकि हम आप सब मिलकर जब अपने कीमती वोट से जब एक शिक्षित,ईमानदार और ज़मीन से जुड़े प्रतिनिधि को चुनते हैं तो वो जीतकर हमारे क्षेत्र व समाज का विकास करता है और हमारे सुख दुख का भागीदार भी बनता है,इसलिए सब काम छोड़कर सबसे पहले हमें मतदान करना

चाहिए।

साथ ही अरुण कुमार वर्मा ने कहा कि हमे वोट जाती धर्म देखकर नही बल्कि उमीदवार की काबिलियत देखकर करना चाहिए,क्योंकि चुनाव के समय मे कुछ उम्मीदवार हमे जाती धर्म और मस्जिद मन्दिर के नाम पर तो कभी बीते हुए दंगो या बवाल के नाम पर भड़का कर वोट मांगेंगे,लेकिन ऐसे लोगो से हमे सावधान रहकर वोट देना है क्योंकि उनके पास कोई विकासी मुद्दा नही होगा और आमजन को नफरत और दंगा नही बल्कि अस्पताल, शिक्षा,सड़क, बिजली,पानी चहिये।

इस लिए बहुत सोच समझ कर और काबिल उम्मीदवार को ही अपना वोट दें।

उप्र विस चुनाव : बसपा ने चौथे चरण के लिए आठ और उम्मीदवार घोषित किए

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने चौथे चरण के विधानसभा चुनाव के लिए अपने आठ और उम्मीदवारों की रविवार को घोषणा की और इसमें शुक्रवार को घोषित उन्नाव जिले के दो प्रत्याशियों को बदल दिया है। चौथे चरण के चुनाव में नौ जिलों की 59 सीटों पर 23 फरवरी को मतदान होगा।

बसपा ने रविवार को आठ और उम्मीदवारों की एक सूची मीडिया से साझा की। बसपा द्वारा जारी सूची में चौथे चरण के मतदान वाले पीलीभीत, सीतापुर, हरदोई और उन्नाव जिले के कुल आठ उम्मीदवार घोषित किये गये हैं। इसके पहले शुक्रवार को बसपा ने चौथे चरण के 53 उम्मीदवारों की घोषणा की थी।

बसपा ने रविवार की सूची में उन्नाव जिले की मोहान (अजा) सीट से सेवक लाल रावत और भगवंत नगर सीट से बृजकिशोर वर्मा को उम्मीदवार बनाया है जबकि शुक्रवार की सूची में मोहन (अजा) से विनय चौधरी और भगवंतनगर से प्रेम सिंह चंदेल को उम्मीदवार घोषित किया था। रविवार को बसपा ने दो सीटों पर उम्मीदवारों में बदलाव और छह अन्य उम्मीदवारों के नाम घोषित किए और इसके बाद चौथे चरण की सभी 59 विधानसभा सीटों के प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं।

शव घर पहुंचते ही मचा कोहराम

संवाददाता

मेजा प्रयागराज। शनिवार शाम को दुकान बंद कर घर वापस जाते समय नरवर चौखटा में हुए एक्सीडेंट में विपिन कुमार घायल हो गया था इलाज के दौरान विपिन कुमार की हुई मौत ,शव पीएम हाउस से जब घर पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया। आपको बता दें कि ट्रैक्टर की टक्कर से टेंपो चालक समेत चार लोग बुरी तरह घायल हो गए थे घायलों की हालत गंभीर देख स्थानीय लोगों द्वारा एंबुलेंस की व्यवस्था कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर भेजा गया जहां डॉक्टरों द्वारा इलाज कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। घटना में घायल चालक आदर्श (18) निवासी चौकठा नरवर तथा अशरफ अली (45) निवासी दिघिया एवं विपिन सरोज (20) सुमेरी का पूरा उंचडीह बाजार और फुलवंती देवी

(40) निवासी रामनगर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिसमें विपिन कुमार भारतीया पुत्र चंद्रबली भारतीया निवासी सुमेरी का पूरा ऊंचडीह की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई मृतक विपिन कुमार भारतीया टिकारी मांडा में कपड़े की दुकान चलाता था। मृतक पांच भाइयों में तीसरे नंबर का था। पीएम हाउस से मृतक विपिन कुमार का शव घर पहुंचा तो कोहराम मच गया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शहादत दिवस पर समाजवादी समागम द्वारा विमर्श व विचार गोष्ठी का आयोजन

लखनऊ। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चल कर ही आजादी की लड़ाई लड़ी और अंग्रेजों से मुकाबला किया आज हम वैश्विक शांति की बात करते हैं तो अहिंसा के पथ पर चलने के अलावा कोई मार्ग नहीं है जो विश्व में शांति स्थापित कर सके, यह बातें समाजवादी समागम द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 74 वे शहादत दिवस पर आयोजित विचार गोष्ठी कार्यक्रम में महात्मा गांधी का भारत और हमारा समय विषय पर बोलते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर चितरंजन मिश्र, पूर्व प्रति कुलपति महात्मा गांधी हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा ,महाराष्ट्र ने कहीं। समाजवादी समागम के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण कुमार व साथियों द्वारा सर्वप्रथम महात्मा गांधी की टाउन हॉल

स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई व तत्पश्चात निपाल क्लब में विमर्श व गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए समाजवादी समागम के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण कुमार ने कहा कि अहिंसा द्वारा किसी भी व्यक्ति को जीता जा सकता है यह एक ऐसा शस्त्र है जिससे विश्व शांति स्थापित की जा सकती है और यही महात्मा गांधी का सबसे बड़ा शस्त्र था÷। कार्यक्रम के आयोजक ब्रह्मचारी अरुण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अहिंसा के माध्यम से शांति और अहिंसा की स्थापना का संदेश देने वाला व अंग्रेजों को भारत से निकलने को मजबूर करने वाला स्वयं असहिष्णुता व हिंसा का शिकार हो गया। आज फिर असहिष्णु व हिंसक ताकतें सत्ता के केंद्र में होने के कारण देश में असहिष्णुता बढ़ रही है और महात्मा गांधी के हत्यारे को महिमामंडित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है जो उचित नहीं है। डॉ मुमताज खान ने राष्ट्रपिता के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आइंस्टीन ने कहा था कि आने वाली पीढ़ी कभी विश्वास नहीं करेगी कि हर मांस का ऐसा पुतला भी हुआ था जिसे लोग गांधी कहते हैं और जो इतना शक्तिशाली था कि अंग्रेजों को भारत से निकलने पर मजबूर कर दिया और उसका रास्ता अहिंसा का था।÷ इस अवसर पर उपस्थित लोगों के प्रश्नों का उत्तर मुख्य वक्ता प्रोफेसर चितरंजन मित्र द्वारा दिया गया एवं उनकी शंका का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध रंगकर्मी डॉ मुमताज खान ने किया एवं ब्रह्मचारी अरुण कुमार श्रीवास्तव द्वारा आभार ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर अत्ताउल्लाह शाही, अनिल कुमार सिन्हा, मिस्बाहुर रहमान, हाजी मकबूल अहमद मंसूरी, नगीना लाल प्रजापति, शिवम श्रीवास्तव, राजेश सिंह, चक्रपाणि, रविंद्र श्रीवास्तव, ईश्वर चंद्र प्रताप नारायण सिंह सोलंकी, महफूजुर रहमान, अजय शंकर श्रीवास्तव, गौतम लाल, डॉक्टर चतुरानन ओझा, राघवेंद्र दुबे, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, शिवाजी राय आदि तमाम लोग उपस्थित थे।

गांधी भवन में मौन रखकर महात्मा गांधी की आत्म शान्ति की प्रार्थना की गई

बाराबंकी। जब देश में अराजकता फैलेगी, अन्याय बढ़ेगा, अत्याचार बढ़ेगा, और हिंसा बढ़ेगी तब जो भी लोग इसका विरोध करेंगे वही गांधी को मानने वाले लोग होंगे। जिस शरीर से कुछ लोग घबराते थे, उस विचार से उनके वंशज आज भी डरते और घबराते हैं। गाँधी हमें हमारे दिलों से डर निकालने का नाम हैं। गांधी अनुशासन, संवेदना, मानवता, प्रेम का नाम हैं। जब तक सत्य, न्याय, संविधान के लिए हम खड़े होंगे, तब तब हमारे कंधों पर गाँधी का ही हाथ होगा।

यह बात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 74वें शहादत दिवस पर गांधी भवन में आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा एवं राष्ट्रीय एकता मार्च के दौरान अध्यक्षता कर रहे युवा गांधीवादी चिन्तक हफीज़ किदवई ने कही।

इससे पूर्व उन्होंने महात्मा गांधी

की प्रतिमा पर मार्ल्यापण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं प्रातः 11 बजे दो मिनट का मौन रखकर महात्मा गांधी की आत्म शान्ति की प्रार्थना की गई। तदोपरान्त गांधीवादी राजनाथ शर्मा के नेतृत्व में नफ़रत और हिंसा के खिलाफ गांधी भवन से पटेल तिराहा तक राष्ट्रीय एकता मार्च निकाला गया। वहीं सायंकाल 5 बजे आलापुर स्थित रेठ नदी पर दीपदान कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी गई।

सभा को सम्बोधित करते हुए गांधी जयन्ती समारोह ट्रस्ट के अध्यक्ष राजनाथ शर्मा ने कहा कि महात्मा गांधी की शहादत के 74 वर्ष बाद भी

आज कुछ लोग उनके विचारों और सिद्धान्तों से सहमत नहीं है। ऐसे लोग गांधी को नही समझेंगे। यह उनका पूर्वाग्रह है। तुम गांधी को गोली मारोगे, गांधी हंसेगा तुम पर क्योंकि वह गांधी है। गांधी को विज्ञान ने समझा। अलबर्ट आइंस्टाइन ने समझ लिया कि हिंसा का कितना भी बड़ा हथियार तुम्हारे पास हो उसको रोकने की ढाल केवल गांधी के पास है।

सभा में उपस्थित समाजसेवी एवं बसपा नेता डॉ. विवेक सिंह वर्मा ने कहा कि वर्तमान संदर्भों में महात्मा गांधी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक एवं अनुकरणीय नहीं हैं जितने अपने वक्त में थे। फर्क बस

इतना है कि गांधीवाद का दायरा सीमित हो गया है। गांधीवाद को राजनीति के दायरे में रखा गया है जबकि वह अन्तिम व्यक्ति की आवाज हुआ करते थे।

सामाजिक कार्यकर्ता पवन यादव ने कहा कि साम्प्रदायिक सद्भावना, अहिंसा, सत्य और सत्याग्रह जैसे शब्दों को गांधीजी ने अपने जीपन में जी करके दिखाया। जब हम गांधी को पढ़ेंगे तो हमें मालूम होगा कि उनकी पूरी जिन्दगी में इन शब्दों के क्या मायने है। गांधी हमारे पुरखे थे। हम गांधी पर लिखी किताबों और उनकी तस्वीरों के माध्यम से लगातार संवाद कर सकते हैं।

सभा को जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष योगेन्द्र वर्मा, समाजसेवी अशोक शुक्ला, एडवोकेट हुमायूं नईम खान, वरिष्ठ पत्रकार मुईनुद्दीन अंसारी ने अपने विचार व्यक्त किए। सभा का संचालन पाटेश्वरी प्रसाद ने किया।

इस मौके पर प्रमुख रूप से पर्यावरणविद् हाजी सलाउद्दीन किदवई, आप नेता भागीरथ गौतम, विनय कुमार सिंह, मृत्युंजय शर्मा, सानिध्य, सत्यवान वर्मा, रंजय शर्मा, तौफीक अहमद, मनीष सिंह, अशोक जायसवाल, नीरज वर्मा, विजय कुमार सिंह, नीरज दूबे, पी.के सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

मोईन अली के आलराउंड खेल से इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को हराया

ब्रिजटाउन। कार्यवाहक कप्तान मोईन अली के आलराउंड खेल के दम पर इंग्लैंड ने चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को 34 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर की।

इयोन मोर्गन के चोटिल होने के कारण श्रृंखला से बाहर होने के कारण टीम की अगुवाई कर रहे मोईन ने 28 गेंदों पर एक चौके और सात छक्कों की मदद से 63 रन बनाये। उनकी इस पारी की मदद से इंग्लैंड ने आखिरी तीन ओवरों में 59 रन जोड़कर छह विकेट पर 193 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। सलामी बल्लेबाज जैसन रॉय ने 42 गेंदों पर 52 रन का योगदान दिया।

स्पिनर मोईन ने इसके बाद गेंदबाजी में कमाल दिखाया और चार ओवर में 28 रन देकर दो विकेट लिये। वेस्टइंडीज की टीम पांच विकेट पर 159 रन ही बना सकी। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज काइल मायर्स ने 23 गेंदों पर सर्वाधिक 40 रन बनाये जबकि जैसन होल्डर ने 24 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 36 रन की पारी खेली।

पांचवां और अंतिम मैच रविवार को ब्रिजटाउन में खेला जाएगा। इंग्लैंड ने आखिरी ओवरों में ताबड़तोड़ रन जुटाये। मोईन ने 18वें ओवर में होल्डर (44 रन देकर तीन विकेट) पर लगातार चार छक्के लगाये। वेस्टइंडीज को अंतिम चार ओवरों में 61 रन की दरकार थी लेकिन क्रिस जोर्डन (0-30) और रीस टोपले (21 रन देकर एक) ने अच्छी गेंदबाजी करके पांच मैचों की श्रृंखला को रोमांचक बना दिया।

अंडर-19 विश्व कप: स्टीफेन्सन की जगह हेरमैन दक्षिण अफ्रीकी टीम में

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुष्टि की है कि उसकी अंडर-19 विश्व कप की प्रतियोगिता तकनीकी समिति ने जोशुआ स्टीफेन्सन की जगह रोनान हेरमैन को दक्षिण अफ्रीकी टीम में शामिल करने की अनुमति दे दी है।

स्टीफेन्सन की बायीं 'हैमस्ट्रिंग' में खिंचाव है और वह आगे इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

किसी खिलाड़ी के बदले अन्य खिलाड़ी को आधिकारिक तौर पर टीम में शामिल करने से पहले प्रतियोगिता तकनीकी समिति की मंजूरी की आवश्यकता पड़ती है।

प्रतियोगिता तकनीकी समिति में अध्यक्ष क्रिस टेटली (आईसीसी के प्रतियोगिता प्रमुख), बेन लीवर (आईसीसी सीनियर प्रतियोगिता मैनेजर), फवाज बख्श (टूर्नामेंट निदेशक) रोलैंड होल्डर (वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के प्रतिनिधि) एलन विल्किंस और रसेल अर्नोल्ड (दोनों स्वतंत्र प्रतिनिधि) शामिल हैं।

स्मृति मंधाना दूसरी बार बनीं साल की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर

ऐसा करने वाली बनीं पहली भारतीय खिलाड़ी

प्रफुल्ल कुमार राय

नई दिल्ली। अगर नौ साल की कोई बच्ची महाराष्ट्र की अंडर-15 टीम में चुन ली जाए, 11 साल की उम्र में अंडर-19 में खेले और मात्र 15 साल की उम्र में सीनियर टीम में अपनी जगह बना ले तो उसका अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट में चमकता हुआ सितारा बन जाना कोई हैरत की बात नहीं है। लगभग डेढ़ दशक से क्रिकेट की इसी तरह की कई मंजिलें तय कर चुकीं स्मृति मंधाना दूसरी बार आईसीसी की क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुने जाने के बाद एक बार फिर सुर्खियों में हैं।

बायें हाथ की 25 साल की इस बल्लेबाज को वर्ष 2021 के लिए आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है। उन्होंने वर्ष 2021 में 22 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 38.86 की औसत से 855 रन बनाए, जिनमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। मंधाना ने दूसरी बार यह सम्मान अपने नाम किया है। इससे पहले वह 2018 में भी सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर और सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे क्रिकेटर रह चुकी हैं। मंधाना दो बार यह अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। इससे पहले झूलन गोस्वामी (2007) ने यह अवॉर्ड जीता है। वहीं यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह विश्व की दूसरी महिला क्रिकेटर हैं। उनसे पहले ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एलिस पेरी दो बार (2017, 2019) यह गौरव हासिल कर चुकी हैं।

स्मृति मंधाना का जन्म 18 जुलाई, 1996 को मुंबई में हुआ। वह मात्र दो साल की थीं, जब उनका परिवार महाराष्ट्र में सांगली जाकर बस गया और स्मृति की प्रारंभिक शिक्षा वहीं हुई। बड़े भाई को देखकर उन्होंने क्रिकेट खेलना शुरू किया और यह जान लेना अपने आप में दिलचस्प होगा कि वह मात्र नौ साल की उम्र में महाराष्ट्र की अंडर-15 टीम के लिए चुनी गईं और 11 वर्ष की उम्र में अंडर-19 टीम में चुनी गईं।

स्मृति की बल्लेबाजी और उनके खेल से जुड़े तमाम आंकड़े तो रिकार्ड की पुस्तिकाओं में दर्ज हैं, लेकिन उनके बारे में कुछ ऐसी बातें हैं जो ज्यादा लोगों को शायद मालूम न हों। स्मृति ने अपने भाई को देखकर बाएं हाथ से बल्लेबाजी करना शुरू किया। वैसे वह अपने सारे काम दाएं हाथ से करती हैं। शुरू में उनके पिता उनके लिए गेंदबाजी किया करते थे और वह जिद करतीं कि खूब तेज गेंद करें और धीमी गेंद फेंकने पर अकसर नाराज हो जाया करती थी।

नौ बरस की उम्र में उन्होंने सिर्फ मजे के लिए ट्रायल में हिस्सा लिया और महाराष्ट्र की अंडर-15 टीम के लिए चुन ली गईं। यह अलग बात है कि उन्हें मैच खेलने का मौका नहीं मिला। इतना जरूर हुआ कि उन्होंने क्रिकेट के बारे में संजीदगी से सोचना शुरू किया। 11 साल की उम्र में वह अंडर-19 टीम में चुन ली गईं और चार बरस बाद 15 साल की उम्र में सीनियर टीम की सदस्य बनीं और तब से टीम का अहम हिस्सा है। वर्ष 2016 में आईसीसी की महिला विश्व एकादश में चुनी गई वह अकेली भारतीय क्रिकेटर थीं। यह मंधाना की बेहतरीन बल्लेबाजी और चमकदार आंकड़ों का ही कमाल है कि पूर्व महिला क्रिकेटर शांता रंगास्वामी उन्हें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अगली कप्तान की आदर्श उम्मीदवार मानती हैं।

कैमरून और बुर्किना फासो अफ्रीकन कप के सेमीफाइनल में

डौआला (कैमरून)। स्ट्राइकर कार्ल टोको इकाम्बी के दो गोल की मदद से मेजबान कैमरून ने गाम्बिया को 2-0 से हराकर अफ्रीकन कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

टोको इकाम्बी ने दूसरे हाफ में सात मिनट के अंदर गोल किये। उन्होंने 50वें और 57वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया जहां उसका सामना मिस्र और मोरक्को के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच के विजेता से होगा।

बुर्किना फासो भी सेमीफाइनल में पहुंच गया है। उसकी टीम ने ट्यूनीशिया को 1-0 से हराया। किशोर फारवर्ड डैंगो ओटारा ने बुर्किना फासो की तरफ से पहले हाफ के इंजुरी टाइम में गोल किया।

ओटारा को 82वें मिनट में लाल कार्ड मिला जिससे उन्हें बाहर बैठना पड़ा। ऐसे में बुर्किना फासो को अंतिम 10 मिनट में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा लेकिन उनकी टीम ने बढ़त बनाये रखी। अंतिम सीटी बजते ही उसके खिलाड़ी खुशी में उछलने लगे थे।

बुर्किना फासो की टीम सेमीफाइनल में सेनेगल और इक्वेटोरियल गिनी के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगी।

चैंपियन बंगलादेश को बाहर कर भारत सेमीफाइनल में

एंटिगा। भारतीय अंडर-19 पुरुष क्रिकेट टीम ने शनिवार को आईसीसी अंडर-19 विश्व 2022 के क्वार्टर फाइनल मैच में पिछले चैंपियन बंगलादेश को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली । घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत ने बंगलादेश को 37.1 ओवर में महज 111 रन पर ऑलआउट कर दिया। उसके बाद सलामी बल्लेबाज अंगक्रिश रघुवंशी की 44 रन की पारी की बदौलत लक्ष्य को 30.5 ओवर में हासिल कर लिया। भारत अब दूसरे सेमीफ़ाइनल में 2 फ़रवरी को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। पहला सेमीफ़ाइनल 1 फ़रवरी को इंग्लैंड और अफ़ग़ानिस्तान के बीच होगा।

112 रन का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और हरनूर सिंह बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। उन्हें तंजीम हसन ने मोहम्मद फहीम के हाथों आउट करवाया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरे शाइक रशीद ने रघुवंशी के साथ मिलकर 70 रन की साझेदारी की। रघुवंशी 44 रन और रशीद को 26 रन बनाकर रिपोन मंडल के शिकार बने।

इसके बाद कप्तान यश ढुल और कौशल तांबे ने टीम को जीत तक पहुंचाया। बंगलादेश की ओर से रिपोन ने चार और तंजीम ने एक खिलाड़ी को आउट किया। ढुल ने नाबाद 20 और तांबे ने नाबाद 11 रन का योगदान दिया। रघुवंशी ने धैर्य के साथ बल्लेबाज़ी करते हुए 65 गेंदों में सात चौकों की मदद से 44 रन की पारी खेली। वहीं रशीद ने 26 रनों की पारी खेली।

दोनों बल्लेबाज़ों का विकेट जल्दी गिरने के बावजूद बंगलादेशकी टीम को जो भी छोटी उम्मीद मिली थी, उसे कप्तान यश धुल ने 20 रनों की पारी खेल कर खत्म कर दिया। बांग्लादेश की तरफ़ से मोंडल ने 31 रन देकर 4 विकेट लिए। कौशल ताम्बे ने लांग ऑन के ऊपर से सिक्सर लगा कर मैच को ख़त्म किया।

पिछली बार बंगलादेश ने फ़ाइनल में भारत को हरा कर ख़िताब पर कब्ज़ा जमाया था। हालांकि इस दफ़ा भारतीय गेंदबाज़ों ने क्वार्टर-फ़ाइनल में बंगलादेशी बल्लेबाज़ों को कोई मौक़ा नहीं दिया और मात्र 111 रनों पर ऑल आउट कर दिया। बाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ रवि कुमार ने अपने पहले स्पेल में 3 विकेट लिए, वहीं बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज़ विकी ओस्तवाल ने भी दो विकेट झटके। इसके अलावा बंगलादेशी बल्लेबाज़ों ने दो विकेट रन आउट के रूप में भी गंवाया। अगर एसएम मेहरॉब ने 30 रन ना बनाए होते तो शायद भारत को और भी छोटे लक्ष्य का सामना करना पड़ता।

इस मैच में वापसी कर रहे कप्तान यश धुल ने एक ऐसी पिच पर क्षेत्ररक्षण करने का विकल्प चुना, जहां अफ़ग़ानिस्तान और श्रीलंका के बीच हुए क्वार्टर-फ़ाइनल मैच में कुल 264 रन बने थे। रवि गेंद को दोनों तरफ़ लहराने में क़ामयाब रहे और उसका परिणाम यह रहा कि बांग्लादेश के पहले 3 बल्लेबाज़ 14 के स्कोर पर ही आउट हो गए।

दूसरे छोर से राजवर्धन हंगारगेकर ने अपनी गति, अपनी यॉर्कर और शॉर्ट पिच गेंद से बांग्लादेश को परेशान किया। साथ ही रवि और हंगारगेकर रनों पर पूरी तरह से अंकुश लगाने में भी क़ामयाब रहे। हालांकि सर्कल के भीतर भारतीय टीम ने कुछ बढ़िया क्षेत्ररक्षण करते हुए भी कई रन बचाए।

बाएं हाथ के स्पिनर ओस्तवाल को अपने पहले ही ओवर से बढ़िया स्पिन मिल रही थी। उन्होंने पहले अरिफ़ुल इस्लाम को आउट किया। फिर मोहम्मद फ़हीम उन्हें रिवर्स स्वीप मारने के चक्कर में बोल्ड हो गए। चौथे नंबर के आइच मोल्लाह ने 47 गेंदों में धैर्यपूर्वक बल्लेबाज़ी करते हुए 13 रन बनाए और फिर रन आउट हो गए। इस समय बांग्लादेश का स्कोर सात विकेट के नुकसान पर 56 था।

विराट कोहली एक सफल कप्तान और जो रूट कमजोर कप्तान: इयान चैपल

सिडनी। आस्ट्रेलिया के अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज इयान चैपल ने विराट कोहली को असाधारण कप्तान करार दिया जिन्होंने भारतीय टीम को उच्च स्तर पर पहुंचाया लेकिन उन्होंने इंग्लैंड के जो रूट को अच्छा बल्लेबाज लेकिन कमजोर कप्तान बताया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की टेस्ट श्रृंखला में हार के बाद कोहली ने टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी। इससे पहले उन्होंने टी20 टीम की कप्तानी छोड़ी थी जबकि उन्हें वनडे कप्तान पद से हटा दिया गया था।

चैपल ने कोहली और रूट की कप्तानी शैली में अंतर का जिक्र किया।

उन्होंने ईएसपीएनक्रिकइन्फो में अपने कॉलम में लिखा, ''यह दो क्रिकेट कप्तानों की कहानी है। एक अपने काम में बहुत अच्छा तो दूसरा असफल रहा।''

चैपल ने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं है कि कोहली कप्तान के रूप में एक अपवाद थे। उन्होंने अपने उत्साह पर अंकुश नहीं लगाया, लेकिन फिर भी वह भारतीय टीम को उच्च स्तर तक ले जाने में सक्षम थे। उप कप्तान अजिंक्य रहाणे के रूप में अच्छे सहयोगी की मदद से उन्होंने भारत को विदेशों में सफलता दिलायी और ऐसा किसी अन्य कप्तान ने नहीं किया।''

रूट के मामले में वह वैसे ही निष्ठुर थे जैसे कि इंग्लैंड के क्रिकेटर का आकलन करने में कोई आस्ट्रेलियाई हो सकता है।

चैपल ने रूट का आकलन करते हुए लिखा, ''किसी भी अन्य कप्तान की तुलना में सर्वाधिक मैचों में अपने देश की अगुवाई करने के बावजूद कप्तानी में असफलता का नाम जो रूट है। यह मायने नहीं रखता कि रूट या इंग्लैंड का अन्य कोई धुर प्रशंसक आपसे क्या कहता है। रूट अच्छा बल्लेबाज है लेकिन कमजोर कप्तान है।''

चैपल ने कहा कि कोहली ने किस तरह से भारत के दो सफल कप्तानों सौरव गांगुली और महेंद्र सिंह धोनी की विरासत को आगे बढ़ाया।

उन्होंने कहा, ''कोहली को सौरव गांगुली और धोनी से जो विरासत मिली थी उसे उन्होंने सात वर्षों में काफी हद तक आगे बढ़ाया।

बार्टी और जोकोविच ने नंबर एक रैंकिंग बरकरार रखी, कोलिन्स शीर्ष 10 में

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन एश बार्टी ने डेनियल कोलिन्स पर सीधे सेटों में जीत से अपना तीसरा ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने के बाद महिला एकल में नंबर एक रैंकिंग पर पिछले दो साल से अधिक से समय से चला आ रहा अपना कब्जा बरकरार रखा।

इससे पहले फ्रेंच ओपन और विंबलडन जीत चुकी बार्टी ने नंबर दो पर काबिज बेलारूस की आर्यना सबालेंका पर बढ़त मजबूत कर ली है। पिछले साल की फ्रेंच ओपन चैंपियन बारबोरा क्रेसीकोवा पहली बार आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के कारण तीसरे स्थान पर पहुंच गयी है।

पोलैंड की इगा स्वियातेक पांच पायदान ऊपर चौथे स्थान पर पहुंच गयी हैं जबकि 28 वर्षीय कोलिन्स ने 20 पायदान की लंबी छलांग लगायी है और वह पहली बार शीर्ष 10 में पहुंचने में सफल रही हैं।

विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी गर्बाइन मुगुरुजा चार पायदान नीचे सातवें स्थान पर खिसक गयी है।

पुरुष रैंकिंग में शीर्ष 10 में इटली के मैटियो बेरेटिनी और रूस के आंद्रे रूबलेव की रैंकिंग में ही परिवर्तन हुआ है। आस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले बेरेटिनी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ छठी रैंकिंग पर पहुंच गये हैं जबकि रूबलेव सातवें स्थान पर खिसक गये हैं।

नोवाक जोकोविच पुरुष वर्ग में शीर्ष पर काबिज हैं। वह कोविड-19 के टीकाकरण की शर्तों को पूरा नहीं करने के कारण आस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेल पाये थे। रूस के दानिल मेदवेदेव दूसरे नंबर पर बने हुए हैं।

जर्मनी के अलेक्सांद्र जेवरेव तीसरे, यूनान के स्टेफनोस सिटसिपास चौथे और स्पेन के राफेल नडाल पांचवें स्थान पर हैं।

उन्नति को महिला एकल का खिताब

सुपर 100 जीतने वाली सबसे युवा भारतीय बनी

श्रेयस मनोरम

कटक। किशोरी उन्नति हुड्डा ने रविवार को यहां स्मित तोश्नीवाल को सीधे गेम में हराकर 75 हजार डॉलर इनामी ओड़िशा ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीता। वह सुपर 100 टूर्नामेंट जीतने वाली सबसे युवा भारतीय बन गयी है।

चौदह वर्षीय उन्नति ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करके खिताब अपने नाम किया। उन्होंने फाइनल में 21-18, 21-11 से जीत दर्ज की।

इस बीच मिश्रित युगल फाइनल में भारत के एमआर अर्जुन और त्रीसा जॉली को सचिन डायस और थिलिनी हेंडादाहेवा की श्रीलंकाई जोड़ी से 36 मिनट तक चले मैच में 16-21, 20-22 से हार का सामना करना पड़ा।

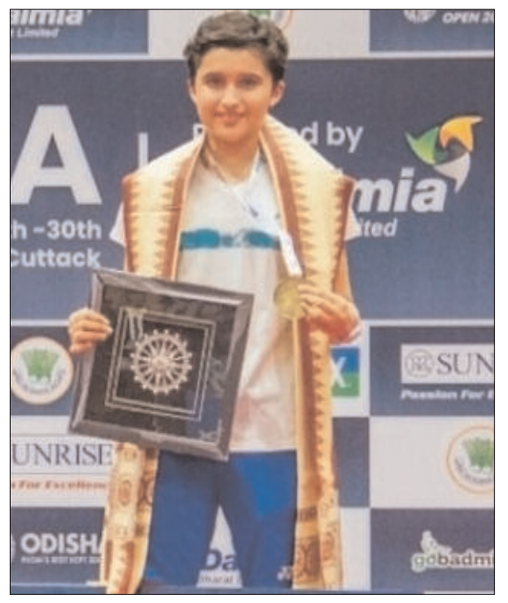

सेमीफाइनल में इंडियन ओपन की फाइनलिस्ट मालविका बंसोड़ को हराकर उलटफेर करने वाली उन्नति ने तोश्नीवाल के खिलाफ केवल 35 मिनट में जीत दर्ज की। तोश्नीवाल ने भी सेमीफाइनल में अश्मिता चालिहा को 21-19, 10-21, 21-17 से उलटफेर का शिकार बनाकर फाइनल में प्रवेश किया था।

उन्नति ने पहले गेम में वापसी करके जीत दर्ज की लेकिन दूसरे गेम में उन्होंने अच्छी लय बनाये रखी। उनके आक्रामक रवैये के सामने तोश्नीवाल की एक नहीं चली।